RNI : RAJHIN13216/2005

सुविचार

हमारी समस्या का हल सिर्फ हमारे पास ही है, दूसरों के पास तो हमारी समस्या का सुझाव है !

दैनिक गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ ।।

निष्पक्ष कलम निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्षः 18 | अंकः 8 | पेजः 8 | मूल्य 01 रु. | जयपुर, शनिवार 5 अगस्त, 2023 | Email: garibonkasitara@gmail.com

जिलों का अर्धशतक...

अब जयपुर और जयपुर ग्रामीण रहेंगे 2 जिले

बदला गया 'राजस्थान' प्रदेश का 'भूगोल' अब वर्तमान होगा इतिहास...

19 नए जिलों और 3 संभागों से गहलोत ने भरी सबकी झोली

सीएम गहलोत ने शुक्रवार को 19 नए जिलों और 3 नए संभागों का नोटिफिकेशन किया जारी

19 नए जिलों और 3 संभागों से गहलोत ने भरी सबकी झोली, 7 अगस्त को होगी विधिवत स्थापना

नवीन जिलों के गठन से होगा प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण आमजन को मिलेंगी सुविधाएं : मुख्यमंत्री गहलोत

सितारा न्यूज नेटवर्क

7 अगस्त को नए जिलों की होगी विधिवत स्थापना...

जयपुर। जयपुर ।मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मार्च महीने में 19 जिले और 3 संभाग बनाने की घोषणा की थी ।लेकिन तमाम नाम और क्षेत्र शामिल करने और बाहर रखने के विवादों के चलते जिलों के नोटिफिकेशन में करीब 5 महीने का समय सरकार को लगा ।गहलोत ने बिना किसी को नाराज किए प्रदेश में तीन नए संभाग और 19 नए जिले बना दिए हैं ।अब प्रदेश में जिलों का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद राजस्थान में आज से संभाग की संख्या 7 से बढ़कर 10 और जिलों की संख्या 33 से बढ़कर 50 हो गई है ।अब 7 अगस्त को सरकार की ओर से पूरे विधि-विधान से पूजा-पाठ, सर्वधर्म प्रार्थना सभा और भारतीय संस्कृति और संस्कार का निर्वहन करते हुए प्रभारी मंत्रियों से नए जिलों की स्थापना करवाई जाएगी.कुछ और जिले बनने की संभावना अब भी बरकरारः मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को तीन नए संभाग और 19 नए जिलों का कैबिनेट से अनुमोदन करवा कर नोटिफिकेशन जारी कर दिया ।ऐसा नहीं है कि इन 19 जिलों और तीन संभाग के बाद नए जिलों और नए संभागों पर फुलस्टॉप लग गया है ।बल्कि मुख्यमंत्री ने नए जिलो के गठन को लेकर बनाई गई राम लुभाया कमेटी का कार्यकाल 6 महीने और बढ़ा दिया है ।इस कमेटी का कार्यकाल बढ़ा यह संकेत दिए गए हैं कि हो सकता है कि सरकार आने वाले समय में आचार संहिता लगने से पहले कुछ और जिले और संभाग गठित करे ।या फिर यह भी सम्भावना है कि कांग्रेस चुनावी घोषणा पत्र में और नए जिले और संभाग बनाने का वादा करे.पढ़ेंः सीएम गहलोत की बजट घोषणा पर कैबिनेट की मुहर, 10 संभाग और 50 जिलों का बना राजस्थानविधायक संदीप यादव की मांग पूरीः आज जारी हुए नोटिफिकेशन में बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए विधायक संदीप यादव की मांग पूरी करते हुए खैरथल जिले के स्थान पर जिले का नाम खैरथल-तिजारा कर दिया गया है ।तो वहीं भिवाड़ी जिले के जो प्रमुख कार्यालय थे, उन्हें भी अब भिवाड़ी से खैरथल शिफ्ट नहीं किया जाएगा ।आपको बता दें कि इसी मांग को लेकर संदीप यादव लगातार नाराजगी जता रहे थे और उन्होंने विधानसभा के बाहर धरना भी दिया था।

जोधपुर हुआ तीन जिलों में विभक्त, संभाग में रहेंगे छह जिलेसंभाग और जिलों की गणितः राजस्थान में अब सीकर, पाली और बांसवाड़ा तीन नए संभाग समेत राजस्थान में 10 संभाग बना दिए गए हैं ।इन 10 संभागों में सबसे बड़ा जयपुर संभाग और अजमेर संभाग है, जिसमें 7 जिले और सबसे छोटे बांसवाड़ा ओर पाली संभाग हैं जिसमें 3 जिले शामिल किए गए हैं.

राजस्व मंत्री बोले- आगे और नए जिले बनाएंगे

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा- सीएम ने इतिहास बनाया है। मेरी मांग है कि आगे और भी जिले बनाए जाएं। सरकार राज्य में कुछ छोटे जिले भी बनाए। जनता और बीजेपी की ओर से प्रदेश में और जिले बनाने की मांग की जा रही है।

दूदू सबसे छोटा, जैसलमेर सबसे बड़ा जिला

राजस्थान में अब दूदू सबसे छोटा जिला होगा। दूदू जिले में एक ही विधानसभा क्षेत्र रहेगा। क्षेत्रफल के हिसाब से जैसलमेर अभी भी सबसे बड़ा जिला है।

जयपुर-जोधपुर पर विवाद हुआ तो सरकार ने बीच का रास्ता निकाला

सरकार ने 19 नए जिलों की घोषणा की थी। जयपुर उत्तर, जयपुर दक्षिण, जोधपुर उत्तर और जोधपुर दक्षिण जिलों की घोषणा पर विवाद हो गया था। लोगों को दक्षिण-उत्तर में बांटना ठीक नहीं लगा। सरकार ने बाद में बीच का रास्ता निकालते हुए इन जिलों का नाम जयपुर, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर और जोधपुर ग्रामीण कर दिया।

जयपुर और जयपुर ग्रामीण दोनों का मुख्यालय जयपुर रहेगा

नए जिलों के गठन को मंजूरी देने के साथ उनके मुख्यालय भी तय कर दिए गए हैं। जयपुर ग्रामीण और जयपुर दोनों जिलों के मुख्यालय जयपुर में ही रहेंगे। जोधपुर और जोधपुर ग्रामीण, दोनों जिलों के मुख्यालय जोधपुर में ही रहेंगे। डीडवाना-कुचामन का मुख्यालय अस्थाई रूप से डीडवाना किया गया है। मिनी सचिवालय भवन बनने तक ही यह मुख्यालय डीडवाना रहेगा। कोटपूतली-बहरोड़ का मुख्यालय कोटपूतली-बहरोड़ ही रखा है। खैरथल-तिजारा जिले का मुख्यालय खैरथल होगा।

10 संभाग संभागों में यह रहेंगे जिले

जयपुर- जयपुर संभाग में 8 जिले- जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली, बहरोड़, दौसा, खैरथल, अलवर जिले शामिल किए गए हैं। **सीकर संभाग-** सीकर संभाग में 4 जिले-सीकर, झुंझुनू, नीमकाथाना, और चूरु जिले शामिल किए गए हैं। **बीकानेर संभाग-** बीकानेर संभाग में चार जिले बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और अनूपगढ़ शामिल किए गए हैं। **अजमेर संभाग-** अजमेर संभाग में 7 जिले अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, टोंक, डीडवाना-कुचामन और शाहपुरा जिले शामिल किए गए हैं। **भरतपुर संभाग-** भरतपुर संभाग में 6 जिले भरतपुर, धौलपुर, करौली, डीग, गंगापुर सिटी और सवाईमाधोपुर जिलों को शामिल किया गया है। **कोटा संभाग-** कोटा संभाग में 4 जिले कोटा, बूंदी ,बारां और झालावाड़ जिलों को शामिल किया गया है। **जोधपुर संभाग-** जोधपुर संभाग में जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर और बालोतरा जिलों को शामिल किया गया है। **पाली संभाग-** पाली संभाग में चार जिलों पाली, जालौर, सांचौर और सिरोही को शामिल किया गया है। **उदयपुर संभाग-** उदयपुर संभाग में 5 जिलों उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, राजसमंद और सालमपुर को शामिल किया गया है। **बांसवाड़ा संभाग-** बांसवाड़ा संभाग में 3 जिले बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिले को शामिल किया गया है।

आपके जिले में कौन से उपखंड और तहसील

जिला-अनूपगढ़- गंगानगर बीकानेर जिलों का पुनर्गठन कर नया जिला अनूपगढ़ गठित किया गया। इसका मुख्यालय अनूपगढ़ होगा ।बालोतरा- बाड़मेर जिले का पुनर्गठन कर नया जिला बालोतरा गठित किया गया, जिसका मुख्यालय बालोतरा होगा ।डीडवाना-कुचामन- नागौर जिले का पुनर्गठन कर नया जिला डीडवाना कुचामन गठित किया गया । मिनी सचिवालय भवन के तैयार होने तक मुख्यालय अस्थाई रूप से डीडवाना में रहेगा ।डीग- भरतपुर जिले का पुनर्गठन कर नया जिला डीग गठित किया गया जिसका मुख्यालय डीग रहेगा ।फलौदी- जोधपुर जिले का पुनर्गठन कर फलौदी जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय फलौदी होगा ।जोधपुर- जोधपुर जिले का पुनर्गठन कर जोधपुर जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय जोधपुर होगा ।जोधपुर ग्रामीण- जोधपुर जिले का पुनर्गठन का जोधपुर ग्रामीण जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय जोधपुर होगा ।गंगापुर सिटी- सवाईमाधोपुर और करौली जिले का पुनर्गठन कर नया जिला गंगापुर सिटी गठित किया गया है जिसका मुख्यालय गंगापुर सिटी होगा ।दूदू- जयपुर जिले का पुनर्गठन कर नया जिला दूदू गठित किया गया है जिसका मुख्यालय दूदू होगा ।जयपुर-जयपुर जिले का पुनर्गठन कर जयपुर जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय जयपुर होगा ।जयपुर ग्रामीण- जयपुर जिले का पुनर्गठन कर जयपुर ग्रामीण जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय जयपुर होगा ।कोटपूतली-बहरोड़- जयपुर और अलवर जिले का पुनर्गठन कर नया जिला कोटपूतली बहरोड़ गठित किया गया है जिसका मुख्यालय कोटपूतली बहरोड़ होगा ।खैरथल-तिजारा- अलवर जिले का पुनर्गठन कर नया जिला खैरथल-तिजारा गठित किया गया है जिसका मुख्यालय खैरथल होगा ।नीमकाथाना- सीकर और झुंझुनू जिले का पुनर्गठन कर नया जिला नीमकाथाना बनाया गया है जिसका मुख्यालय नीमकाथाना होगा ।ब्यावर- अजमेर, पाली, राजसमंद और भीलवाड़ा जिले का पुनर्गठन कर नया जिला ब्यावर गठित किया गया है जिसका मुख्यालय ब्यावर होगा ।केकड़ी- अजमेर और टोंक जिले का पुनर्गठन कर नया जिला केकड़ी गठित किया गया है जिसका मुख्यालय केकड़ी होगा ।सलूंबर- उदयपुर जिले का पुनर्गठन कर सलूंबर जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय सलूंबर होगा ।सांचौर- जालौर जिले का पुनर्गठन कर सांचौर जिला गठित किया गया है जिसका मुख्यालय सांचौर होगा ।शाहपुरा- भीलवाड़ा जिले का पुनर्गठन कर नया जिला शाहपुरा गठित किया गया है जिसका मुख्यालय शाहपुरा होगा।

सत्य की हमेशा जीत होती है, मैं समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देता हूं : राहुल

सितारा न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'मोदी उपनाम' वाली टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि के मामले में उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने के बाद शुक्रवार को कहा कि सच्चाई की हमेशा जीत होती है। राहुल गांधी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों सच्चाई की जीत होती ही है। मुझे क्या करना है, उसे लेकर मेरे मन में स्पष्टता है।" उन्होंने लोगों को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले गांधी ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह भारत की अवधारणा (आइडिया ऑफ इंडिया) की रक्षा करने का अपना कर्तव्य निभाते रहेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'चाहे कुछ भी जाए, मेरा कर्तव्य वही रहेगा। भारत की अवधारणा की रक्षा करना।'खड़गे ने कहा, संविधान और लोकतंत्र की जीत : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह संविधान की और लोकतंत्र की जीत है तथा यह उम्मीद अभी बाकी है कि न्याय मिल सकता है। खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, "आज खुशी का, बड़ा दिन है। यह सिर्फ राहुल गांधी की ही जीत नहीं है। यह संविधान की जीत है, लोकतंत्र की जीत है, यह वायनाड के लोगों और मतदाताओं की जीत है और भारत की जनता की जीत है। सत्यमेव जयते।" कांग्रेस अध्यक्ष ने उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, "हम फैसले का स्वागत करते हैं। अभी संविधान जिंदा है। न्याय मिल सकता है और यह उम्मीद अभी बाकी है।" खरगे ने कहा, "राहुल गांधी को संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराने में 24 घंटे लगे। अब देखते हैं कि उनकी सदस्यता बहाल करने में कितने घंटे लगेंगे। हम लोकसभा अध्यक्ष के आदेश का इंतजार करेंगे।"राहुल गांधी कभी मोदी जी के सामने थे ही नहीं रेस में : केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत में कांग्रेस में जान फूंक दी है जहां कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता इसे जीत बता रहे वहीं बीजेपी का कहना है की अभी उन्हें सजा से फ्री नहीं किया गया है। बहरहाल मामला कोर्ट में हैं लेकिन कांग्रेस के लिए ये एक बड़ी राहत जरूर है। इस मुद्दे पर बीजेपी के नेता और केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर से ईटीवी भारत की वरिष्ठ संवाददाता अनामिका रत्ना से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस तरह की भाषा राहुल गांधी बोलते हैं उस पर उन्हें संयम लाना चाहिए क्योंकि एक नेता के तौर पर कार्यकर्ता भीं उन्हें स्वीकार नहीं करते, साथ ही जनता तो उन्हे पहले ही अस्वीकार कर चुकी है।

जयपुर हेरिटेज मेयर मुनेश के पति को ACB ने पकड़ा

घर पर सर्च में 40 लाख कैश मिले; दो लाख की घूस मांगी थी, दलाल भी गिरफ्तार

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर । एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) की टीम ने जयपुर हेरिटेज नगर निगम मेयर मुनेश गुर्जर के घर छापा मारा। टीम ने मेयर के पति सुशील गुर्जर और दो दलालों को गिरफ्तार किया है। सुशील पर पट्टे बनाने की एवज में 2 लाख रुपए की घूस मांगने का आरोप है। मेयर के घर सर्च में 40 लाख रुपए नकद मिले हैं। जिन्हें गिनने के लिए नोट गिनने की मशीन मंगाई है। इसके साथ ही एक दलाल के घर भी 8 लाख नकद बरामद हुए हैं। मामले में मेयर की भूमिका को लेकर भी एसीबी जांच कर रही है। हेरिटेज निगम में कांग्रेस का बोर्ड और मेयर है। ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि एसीबी की स्पेशल इंवेस्टिगेशन यूनिट (एसआईयू) जयपुर इकाई को शिकायत दी गई कि पट्टा जारी करने की एवज में सुशील गुर्जर की ओर से दलाल नारायण सिंह और अनिल दुबे के मार्फत 2 लाख रुपए मांगे जा रहे हैं। एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक रणधीर सिंह के सुपरविजन में शिकायत का सत्यापन किया गया। शुक्रवार रात अरढ ललित शर्मा के नेतृत्व में टीम ने दलाल नारायण सिंह निवासी 55 ए नेहरू नगर, हटवाड़ा रोड जयपुर को परिवादी से 2 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार गया।

शिक्षा राज्यमंत्री जाहिदा के खिलाफ एसीबी पहुंची भाजपा

50 फीसदी कमीशन और पीडीआई पर रोक लगाने का आरोप

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की सरकारी स्कूलों में बन रहे स्मार्ट क्लासेज प्रोजेक्ट में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को भाजपा ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में शिक्षा राज्यमंत्री जाहिदा खान के खिलाफ शिकायत दी है ।स्मार्ट क्लास रूम के टेंडर में 50 फीसदी कमीशन लेने और मौके पर 75 फीसदी काम होने के बावजूद पीडीआई पर रोक लगाने का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसीबी के कार्यवाहक डीजी हेमंत प्रियदर्शी को ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की है। मीडिया से बातचीत में मुकेश दाधीच ने कहा कि कुछ दिन पहले हमने मंत्री जाहिदा खान के खिलाफ स्मार्ट क्लासेज के नाम पर कमीशन मांगने का आरोप लगाया था। कमीशन नहीं मिलने के कारण मंत्री ने अपनी नोटशीट पर पीडीआई को रोक दिया है। इस संबंध में आज एसीबी को ज्ञापन देकर इस पूरे मामले की शिकायत की है ।पढ़ेंः मंत्री जाहिदा खान पर बीजेपी ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, कहा-स्मार्ट क्लासेज के टेंडरों में हुई कमीशनखोरीकेंद्र ने राज्य सरकार को दिया 110 करोड़ का बजटः भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने बताया कि भारत सरकार ने प्रदेश में स्मार्ट क्लासेज बनाने के लिए राजस्थान सरकार को 110 करोड़ रुपए का बजट दिया है। जिसमें 9401 स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज बनने हैं। सरकार ने बजट घोषणा (2021-22) में इसकी स्वीकृति दी थी। यह काम सत्र 2021-22 में ही पूरा होना था, लेकिन 50 प्रतिशत कमीशन नहीं मिलने के चलते मंत्री जाहिदा ने इंटेस कंपनी को वर्क ऑर्डर निरस्त करने की धमकी देना शुरू कर दिया।

बीजेपी की राष्ट्रीय सचिव भीलवाड़ा गैंगरेप और जलाने के मामले को लेकर हुई भावुक, छलक पड़े आंसू

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी में एक मासूम नाबालिग बच्ची को दुष्कर्म के बाद भट्टी में जलाने के मामले पर प्रदेश की गहलोत सरकार अब चौतरफा घिर गई है। बीजेपी ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर तक उठा दिया है। प्रदेश की बदहाल कानून व्यवस्था और महिला-बच्चियों के साथ हो रही दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुवेर्दी ने गहलोत सरकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई। वहीं बीजेपी की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर भावुक हो गईं और उनके आंसू छलक पड़े ।प्रदेश का सीएम और गृह मंत्री निष्क्रिय ही नहीं अक्षमः अरुण चतुवेर्दी ने इस दौरान कहा कि दो दिन पहले भीलवाड़ा के कोटडी में जो घटना हुई है, उसने सबके दिलों को हिला दिया है। राजस्थान में खेत, खलिहान और पशुओं को संभालना पारंपरिक दृष्टि से सदियों से चला आ रहा है। उस दृष्टि से एक बच्ची पशुओं को चराने घर से निकलती है। शाम को रिपोर्ट की जाती है बेटी लापता है, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं होती। बाद में भट्टी में जली हुई हड्डियां मिलती हैं, यह सुनकर रूह कांप जाती है। राजस्थान का मुख्यमंत्री और गृहमंत्री आज पूरी तरह से निष्क्रिय ही नहीं बल्कि पूरी तरह से अक्षम भी है ।पढ़ेंः सीएम गहलोत के ठउफ्ङ आंकड़ों के बयान पर पूर्व सीएम वसुंधरा भड़की, कब तक गैंगरेप कर जिंदा जलाने की घटनाएं छुपाते रहेंगेथाने और चौकियां गिरवी-चतुवेर्दीः चतुवेर्दी ने कहा कि इस सरकार से न्याय और कानून व्यवस्था की उम्मीद इसलिए भी नहीं कर सकते क्योंकि इनके कई मंत्रियों के बेटी और भतीजे महिला हिंसा और दुष्कर्म जैसे मामलों में शामिल हैं। चतुवेर्दी ने कहा कि जौहरी लाल के बेटे पर कोर्ट के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज हुआ। हाल ही में बाबूलाल के भतीजे को लेकर भी इसी तरह का मामला सामने आया जिसमें भी पुलिस लगातार लीपापोती करती दिखी। चतुवेर्दी ने कहा कि राजस्थान की पुलिस क्राइम कंट्रोल और कानून व्यवस्था में पूरी तरह फेल हो गई है। ऐसा लगता है कि थानों और चौकियों को सत्ताधारी विधायकों और मंत्रियों के यहां गिरवी रख दिया, नीलाम कर दिया हो ।पढ़ेंः ट्ल्लङ्ग१ ॠ' इ४१ल्ल३ इङ्गट : भीलवाड़ा कांड पर भाजपा का सीएम गहलोत पर हमला, कहा - नहीं संभल रही जिम्मेदारी तो तुरंत दें इस्तीफाभावुक हुई राष्ट्रीय सचिवः भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर ने कहा कि आज बड़े भारी मन से आपके बीच आए हैं। प्रदेश में हो रही घटनाओं से मन दहल जाता है। लगातार रेप और उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे है, लेकिन सरकार को सिर्फ अपनी कुर्सी की पड़ी है। 4 दिन पहले एक बच्ची की पानी की बोतल में यूरिन डाल दिया गया था, लेकिन शासन और प्रशासन मौन रहता है। अब तो हद हो गई एक तंदूर कांड हमने देखा था दिल्ली में, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज है और एक तंदूर कांड वीरों की धरती पर दो दिन पहले हुआ है। एक बच्ची को जिंदा जला दिया जाए, ये सब राजस्थान को कभी मंजूर नहीं।

पूर्वानुमान>		शुक्र	शनि	रवि	सोम
28°	अधिकतम>	33°c	32°c	31°c	31°c
	न्यूनतम>	27°c	27°c	26°c	26°c

साप्ताहिक श्रीमद्भागवत संगीतमय कथा महोत्सव का पाँचवा दिन...

व्यास पीठाचार्य ने पुतला मोक्ष गोवर्धन लीला व इन्द्र के मान मर्दन सहित विभिन्न प्रसंगों का कराया साक्षात्कार

श्रद्धालु महिलाएं भक्ति धारा में आनन्द तिरोहित होकर कथा प्रसंगो पर झूमने पर हुई मजबूर

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर) । शहर के मगध नगर स्थित सामुदायिक भवन में चल रही में साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में व्यास गद्दी पर विराजमान भागवत कथा वाचक पंडित राम बाबू शास्त्री ने बड़े ही रोचक ढंग से कथा के दौरान शुक्रवार को पुतला मोक्ष एवं अन्य राक्षसों का उद्धार, माखन चोरी की लीला,गोपियों के द्वारा उलाहना देना , कन्या द्वारा मिट्टी खाने की कथा, दामोदर लीला यमला अर्जुन उद्यान वसासुर बकासुर अघासुर चरित्रों का प्रसंग सुना कर वृंदावन में प्रवेश किया व कालिया नाग दावाग्नि पान, गोपियों के चीर हरण लीला के पश्चात बड़े ही धूमधाम से गोवर्धन लीला, इंद्र के मान मर्दन की कथा सुनाई। इस दौरान कथा में उपस्थित माताओं बहनों ने अपने अपने घर से लाया प्रसाद गोवर्धन महाराज को भोग लगाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया ।

आयोजको ने बताया कि आगामी 6 अगस्त रविवार को भागवत कथा का विश्राम दिवस होने से कथा का कार्यक्रम दोपहर 12:00 से 4:00 बजे तक रखा गया है । कथा के दौरान महिलाएं भक्ति रस की धारा से कथा का पूर्ण आनन्द लेते हुए भाव विह्वल हो गई । इस दौरान भागवत कथा में सैकड़ों महिलाएं व पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत रैणी के कीलपुरखेड़ा गांव का हुआ चयन

पूरे अलवर जिले मे एकमात्र गांव का ही हुआ है चयन : सरपंच रिषिराज सुलानिया

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना । अलवर के रैणी-उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कीलपुरखेड़ा के गांव कीलपुरखेड़ा का चयन स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत आदर्श गांव के रूप मे हुआ है यह चयन पूरे अलवर जिले मे ही एकमात्र गांव के रूप मे ही चयन हुआ है इसके अलावा अभी तक अलवर जिले मे किसी भी पंचायत समिति के किसी भी गांव का चयन नही हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रत्येक पंचायत समिति मे कम से कम एक गांव का आदर्श गांव को ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्त गतिविधियो को क्रियान्वित कर आदर्श गांव के रूप मे 30 जून 2023 तक विकसित किया जाना था । भारत सरकार के आईएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित कर ओडीएफ प्लस की मोडल श्रेणी मे घोषित विवरणानुसार ज़िलों से प्राप्त कुल 352 गांवो मे से 68 गांव ही मोडल श्रेणी मे घोषित किए गए है जिनमे अलवर जिले से एकमात्र गांव कीलपुरखेड़ा का चयन हुआ है, जो अलवर जिले के लिए तथा अलवर मे रैणी ब्लॉक के लिए एक गौरवपूर्ण बात से कम नही है और रैणी बीडीओ कालूराम के प्रयास रंग लाये है ।पुनः भी 31 अगस्त 2023 तक ऐसे आदेश है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्त गतिविधियो को क्रियान्वित कर आदर्श गांव के रूप मे विकसित किया जाना सुनिश्चित करे जिससे आगामी चयन मे भी अपने अलवर जिले से रैणी ब्लॉक से ही चयन हो सके। यह आदेश राजस्थान सरकार के निदेशालय, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के आदेश क्रमांक एफ 4 परावि/एसबीएम(जी) पीएमयू/ एसएपी/2022-23/3799-01 दिनांक 2/8/2023 के द्वारा अलवर जिला परिषद को समरण पत्र के रूप में जारी किए गए पत्र के अनुसार खबर बनाई गई है। जिला परिषद अलवर सीईओ के द्वारा रैणी बीडीओ को 03/8/23 को आदेश भेजकर सूचित किया गया है। मिडिया को यह सारी जानकारी स्थानीय सरपंच रिषिराज मीना के द्वारा दी गई है और बताया कि ब्लॉक समन्वय अशोक कुमार व सरपंच ऋषिराज सुलानिया तथा मनरेगा जेईएन जितेश कुमार शर्मा एवं वीडीओ नेहा शर्मा और रैणी बीडीओ कालूराम मीना के प्रयास से ही सम्भव हुआ है।

हेड कांस्टेबल ने सेवानिवृत्त होने पर अलग-अलग स्थानों पर भेंट किए तीन पंखे

सितारा न्यूज नेटवर्क

धौलपुर/अंकित गोयल ।हेड कांस्टेबल ने सेवानिवृत्ति के अवसर पर अलग-अलग स्थानों के लिए तीन पंखे भेंट कर मानवीय पहल की है। बता दें कि हेड कांस्टेबल मंगल सिंह पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। 31 जुलाई को उनका पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो गई। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस लाइन अंबेडकर पार्क समेत सागर पाड़ा स्कूल के लिए तीन पंखे भेंट किए इस अवसर पर हेड कांस्टेबल मंगल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल में दिए गए पंखों से छात्र छात्राओं को पढ़ाई करने में और कक्षा कक्ष में बैठ कर पढ़ाई करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा । उन्होंने बताया कि वह अपने महापुरुषों की विचारधारा से उत्साहित होकर उन्होंने यह प्रण लिया कि वह सेवानिवृत्ति के बाद ऐसे उपकरण भेंट करेंगे जिससे सभी को उन उपकरणों का लाभ मिल सके । इस दौरान हेड कांस्टेबल मंगल सिंह के द्वारा बुधवार सुबह पंखा भेंट किया गया। स्कूल परिसर में मौजूद छात्र और छात्राओं को हेड कांस्टेबल के द्वारा पेन वितरित किए गए एवं स्कूल के समस्त स्टाफ ने सेवानिवृत हेड कांस्टेबल मंगल सिंह का आभार व्यक्त किया ।इस दौरान छात्र छात्राओं समेत काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जगदीश महाराज के मेले की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

सितारा न्यूज नेटवर्क

नारायणपुर, (बिन्टू कुमार) ।कस्बे के जयपुर सड़क मार्ग पर स्थित लक्ष्मीपति जगदीश महाराज के मेले की तैयारी को लेकर अध्यक्ष फूलचंद सैनी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों द्वारा मेले की तैयारी, भण्डारा, झांकी आदि को लेकर चर्चा की गई। मेला कमेटी ने ग्रामीणों को झांकी, भंडारा आदि व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान अध्यक्ष सैनी ने बताया कि 28 अगस्त को मेला और भंडारे का आयोजन किया जायेंगा। जिसकी तैयारी जल्दी ही पूरी कर ली जायेगी। इस मौके पर पूर्व वार्ड पंच कैलाश चन्द सैनी, महेश चन्द, पुजारी भोलाराम, जयराम गुर्जर, सुनील कुमार शर्मा, बाबूलाल सैनी, रतन सैनी, पप्पू सैनी, जयराम सैनी, घनश्याम गुर्जर, रामजीलाल गुर्जर, पूरण गुर्जर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर...

शिक्षा बचाओ पदयात्रा एवं सद्बुद्धि यज्ञ का हुआ आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षा बचाओ पदयात्रा एवं सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन शुक्रवार को उपखंड मुख्यालय पर किया गया । जिला मंत्री रघुवीर सिंह चौहान ने बताया की 11 सूची मांग पत्र को लेकर जिला स्तर पर शिक्षा बचाओ पदयात्रा एवं सद्बुद्धि यज्ञ कर सरकार से शीघ्र मांगों को पूरा करने का आह्वान किया गया । प्रदेश पर्यवेक्षक भंवर सिंह राठौर के नेतृत्व में पदयात्रा का आयोजन किया गया । जिसमें प्रमुख मांगों में शिक्षकों को बीएलओ सहित समस्त गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करो ।वेतन विसंगतियों यथा शिक्षकों (2007-08 में नियुक्त शिक्षकों, नोशनल लाभ के प्रकरण), द्वितीय श्रेणी शिक्षकों, व्याख्याताओं, उप प्रधानाचार्यों को केंद्र के समान वेतमान लागू करने,सावंत कमेटी और खेमराज कमेटी की सिफारिशों को सार्वजनिक कर लागू करने । राज्य कर्मचारियों को 8-16-24-32 वर्ष की सेवा पर एसीपी का लाभ दिया जावे। एनपीएस के स्थान पर लागू की गई ऑपिस की समस्त खामियों को दूर करते हुए जीपीएफ -2004 के खाता संख्या अविलम्ब जारी किए जाए। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण किए जावें इत्यादि सभी शिक्षक बंधुओ ने महायज्ञ में अपनी आहुति दी कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रतन सिंह देवड़ा , राजेंद्र प्रजापति, गुरुशरण गोयल, विष्णु गोयल ,गीता सोलंकी, शर्मिला त्रिपाठी, सुप्रिया जोधा, भगवान सिंह लालपुरा, मंगल सिंह मसूदा, लक्ष्मण सिंह पायलट ,मुकेश प्रजापति ,अशोक कुमार ,संजय सिंह ,नरेंद्र सिंह, गोपाल शर्मा सरवन लाल, मांगीलाल, विक्रम चौधरी ,पूनम सिंह, नारायण लाल प्रजापति , अल्लाह नूर काठात, अमजद हुसैन मंसूरी, गोविंद सिंह चौहान ,सोहनलाल भाट ,दिलीप सिंह चेनाराम आदि उपस्थित रहे ।

सरकार के पाँच साल पूरे होने के करीब, एक बार भी तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण नहीं खोलने पर शिक्षकों में आक्रोश...

राजस्थान शिक्षक एवं पंचायती राज कर्मचारी संघ ने जिला कलेक्टर के मार्फत मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

तृतीय श्रेणी शिक्षक कर्मचारियों के तबादलों से रोक हटाकर स्थानांतरण शुरू कराये जाने की उठाई मांग

सितारा न्यूज नेटवर्क

धौलपुर/अंकित गोयल। राजस्थान शिक्षक एवं पंचायती राज कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर शिक्षक कर्मचारियों के तबादलों से रोक हटा कर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शुरू कराए जाने की मांग की है ।संघ के जिला अध्यक्ष हरीसिंह गुर्जर ने बताया कि जिला कलेक्टर के मार्फत मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में बताया गया है कि संगठन की ओर से समय-समय पर ज्ञापन धरना प्रदर्शन के माध्यम से आपसे प्रदेश के सबसे बड़े शिक्षक संवर्ग तृतीय श्रेणी शिक्षकों के लंबे समय से बंद तबादलों से रोक हटाकर स्थानांतरण शुरू कराए जाने की मांग की जाती रही है। लेकिन अभी तक शिक्षकों की इस बहुप्रतीक्षित मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जबकि सरकार का कार्यकाल साढ़े चार वर्ष से अधिक हो चुका है। कुछ महीनों बाद प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लागू हो जाएगी। लेकिन प्रदेश के तृतीय श्रेणी शिक्षकों के एक बार भी तबादले नहीं किए गए। जिससे हजारों शिक्षकों एवं उनके परिजनों में सरकार के प्रति बेहद आक्रोश बढ़ता जा रहा है। प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा ने बताया कि संघ ने मुख्यमंत्री से शिक्षक कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक हटाते हुए तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण प्रारंभ कराकर शिक्षकों के सबसे बड़े संवर्ग को राहत दिलाये जाने का आग्रह किया है।

पंचाग

गरीबों का सितारा — निर्भीक कलम, निष्पक्ष आवाज

दिनांक: 05 अगस्त 2023 शनिवार

विक्रम संवत2080 अधिक श्रावन कृष्ण पक्ष

तिथि	चतुर्थी	09:39:25
पक्ष	कृष्ण	
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	26:53:03
योग	सुकर्मा	23:10:24
करण	बालव	09:39:25
करण	कौलव	20:19:31
चन्द्र राशि	मीन	
सूर्य राशि	मिथुन	
दिशा शूल	पूर्व	
सूर्योदय(जयपुर)		05:54:18
सूर्यास्त	19:11:08	
चंद्रोदय	21:59:42	
चंद्रास्त	09:34:28	
राहू काल	09:14 - 10:53	
अभिजित	12:06 - 12:59	

शुभ चोघडिया

शुभ	07:34 - 09:14	शुभ
चर	12:33 - 14:12	शुभ
लाभ	14:12 - 15:52	शुभ
अमृत	15:52 - 17:32	शुभ

विशेष जानकारी
पंचक प्रारम्भ

ज्योतिषाचार्य
भानुप्रकाश शास्त्री

कोलाहेड़ा में ग्रामीण गंदे पानी से होकर अर्थी लेकर जाने को मजबूर

सितारा न्यूज नेटवर्क

नारायणपुर (बिन्टू कुमार)। कस्बे में इन दिनों विकास कार्यों की पोल खोलती हुई यह एक तस्वीर सामने आई हैं। जहां ग्रामीण अर्थी लेकर कीचड़ भरे रास्ते से होकर गुजर रहे हैं। एक तरफ सरकार विकास के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोलाहेड़ा की यह तस्वीर सरकार के विकास के कार्यों की पोल खोलती नजर आ रही है। जहां कोलाहेडा में आज एक बुजुर्ग सतीश गंगावत (67) की मौत हो गई। मृतक की अर्थी को लेकर ग्रामीणों को शमशान घाट तक कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना पडा। ग्रामीणों का कहना है कि लम्बे समय से रास्ते को बनवाने की मांग की जा रही है, लेकिन ग्रामीणों की कोई सुनवाई नही हो रही है। जिसके चलते ग्रामीणों को इस समस्या से सामना करना पड़ रहा है।

पिछले कई सालों से की जा रही मांग

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई सालों से सड़क को बनवाने की मांग की जा रही है। जिसको लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कई बार मिलकर सड़क निर्माण करवाने की मांग कर चुके हैं। लेकीन ग्रामीणों की कोई सुनवाई नही कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में किसी की मौत हो जानें पर अर्थी को शमशान घाट ले जाने में भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती हैं।

जन्मदिन पर किया पौधारोपण

सितारा न्यूज नेटवर्क

धौलपुर/अंकित गोयल । धौलपुर जिला अग्रवाल युवा महासंघ के जिलाध्यक्ष कपिल अग्रवाल द्वारा युवा प्रदेश सचिव रवि गोयल दौपुरा वालों के जन्म दिवस के अवसर पर शुरू किए गए पौधारोपण कार्यक्रम के तहत बरौली इकाई में युवा जिला उपाध्यक्ष लवकुश गर्ग द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला उपाध्यक्ष लवकुश गर्ग ने कहा कि दुनियाभर में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वन और जंगल नष्ट किए जा रहे हैं। इसकी वजह से पूरी दुनिया में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है। भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे और उनका संवर्धन तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे। विकास गर्ग ने कहा कि "मानव एवं प्रकृति एक-दूसरे के पूरक हैं। हम प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रकृति पर आश्रित हैं। प्रकृति के बिना हमारा अस्तित्व सम्भव नहीं। प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है। धरती को हरा-भरा रखने एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना आवश्यक है। वातावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधारोपण भी किया जाना जरूरी है। इसलिए हम सभी को विशेष आयोजनों पर वृक्षारोपण करना चाहिए।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

एसपी तेजस्वनी गौतम का आव्हानः
खुले नहीं घुमने चाहिए अपराधी

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। जिला पुलिस के बेड़े में हुए व्यापक फेरबदल के बाद गुरूवार आयोजित क्राईम मिटिंग में एसपी तेजस्वनी गौतम ने अपराधियों पर काबू पाने के लिये सख्ती बरतने के निर्देश दिये। जिले में जिले में चोरी,लूट,फायरिंग और हमलेबाजी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने कहा कि कानून व्यवस्था के लिये चुनौति बन रहे अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये प्रभावी कार्यवाही की जाये। उन्होने कहा कि पुलिस अपराधियों में पुलिस का खौफ दिखना चाहिए है,जिससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े है। उन्होने चुनावी साल में सजग रहने की हिदायत देते हुए कहा कि चुनावों के लिए पुलिस को भयमुक्त माहौल तैयार करना है। इसलिये भय का माहौल पैदा करने वाले अपराधियों को चिह्नित कर सलाखों के पीछे पहुंचाएं। साथ ही सोशल मीडिया पर नजर रखें और इसके माध्यम से गलत सूचनाएं प्रसारित करने पर अंकुश लगाएं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक मैसेज वायरल करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें। उन्होने आदतन अपराधियों की निगरानी रखने, अवैध शराब व हथियार तस्करों की धरपकड़ करने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने का आव्हान करते हुए अपराधों की रोकथाम के लिए रात व दिन में गश्त को प्रभावी बनाएं, गश्त प्रभारी बनाया जाए। थाना प्रभारी अपने इलाके में गश्त करें और सीएलजी सदस्यों के साथ बैठकें करें।

हवाला कारोबारियों पर कड़ी निगरानी के निर्देश

एसपी ने कहा कि हवाला कारोबारियों, शराब, हथियार, डोडा-पोस्त की तस्करी करने वालों पर नजर रखी जाए,थानेदार अपना सूचना तंत्र मजबूत रखें। मिटिंग में एएसपी सिटी दीपक शर्मा,एएसपी ग्रामीण डॉ.प्यारेलाल शिवरान,सीओ सिटी हिमांशू शर्मा,सीओ सदर शालिनी बजाज,सीओ,सीओं गंगाशहर मुकेश सोनी समेत जिला पुलिस के तमाम अधिकारी और थाना प्रभारी शामिल मौजूद थे। इससे पहले पुलिस अधीक्षक ने लाईन पुलिस में आयोजित संपर्क सभा में पुलिस जवानों को कृतव्यनिष्ठा से ड्यूटी का आव्हान करते हुए उनकी समस्याएं सुनी ।

गुढ़ा में दीवार खींचकर मकान का रास्ता किया बंद, दबंगों के आगे बेबस हुई महिला

6 दिन से तीन मासूम बच्चियां मकान में कैद, कलेक्टर-एसपी तक भी पीड़िता ने लगाई गुहार

सितारा न्यूज नेटवर्क

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस थाना अंतर्गत पड़ने वाले गुढ़ा गांव में दबंगों की दबंगई इस कदर हावी है कि 6 दिन पहले क्षेत्र के कुछ दबंग लोगों द्वारा महिला के मकान का रास्ता दीवार खींचकर बंद कर दिया गया, दबंगों के आगे बेबस हुई महिला हाथ जोड़कर रास्ते को खोलने के लिए गिड़गिड़ाती रही लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गई। पीड़िता अनीता देवी ने बताया कि दबंगों द्वारा उसके मकान के रास्ते को बंद करने के कारण आवागमन बंद हो गया है जिसके चलते उसकी तीन मासूम बच्चियां बीमार हालत में मकान में कैद है। मकान के बंद रास्ते को खुलवाने के लिए पीड़िता द्वारा सीकर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के सामने गुहार लगा चुकी है लेकिन 6 दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। निर्माण कार्य शुरू करते समय रोक टोक करने पर दबंगों द्वारा पीड़ित महिला व उसकी बच्चियों के साथ मारपीट की गई जिस संबंध में पीड़िता द्वारा रींगस पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया। पीड़िता ने मीडिया के माध्यम से प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि समय रहते उसकी सुनवाई नहीं की जाती है तो उसकी बच्चियां मकान में बंद रहने की वजह से मर रही है तो वह भी बाहर आत्महत्या करके अपनी जीवन लीला समाप्त करेगी।

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) दौसा द्वारा पदयात्रा एवं सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

दौसा। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) जिला दौसा द्वारा प्रदेश के आहवान पर आज पदयात्रा एवं सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन रखा गया था लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं देने से यह कार्यक्रम स्थगित किया गया। संघ के जिला प्रवक्ता दिनेश पारीक ने बताया कि 11 सूत्रीय मांग को लेकर शिक्षक संघ विगत दो माह से चरणबद्ध तरीके से आंदोलन कर रहा है उसी कड़ी में आज सम्पूर्ण प्रदेश के जिला मुख्यालयो पर सरकार को जगाने के लिए सद्बुद्धि यज्ञ एवं पदयात्रा का आयोजन प्रस्तावित था किन्तु जिला प्रशासन को हढाचामेता के कारण दौसा जिले में सद्बुद्धि यज्ञ एवं पदयात्रा की अनुमति नहीं दी गई, जिससे कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश शर्मा एवं जिला मंत्री राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सम्पूर्ण जिले की उपशाखाओं से सैकड़ों कार्यकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए किन्तु उन्हें भी निराशा मिली। इस मौके पर पं. राधेश्याम जिला संरक्षक दौसा, विभाग संगठन मंत्री कालूराम मीना, जिला संगठन मंत्री राजकुमार नेतावाला प्रान्तीय प्रतिनिधि विश्राम मीना, लालसोट उपशाखा से सुनील गुप्ता, गोविन्द सहाय शर्मा, अविनाश शर्मा, रामगढ़ पचवारा से रामजीलाल मीना, सुरेंद्र जांगिड़ बदराम मीना, किशोर कुमार सैनी महवा से रामकिशन मीना, करमण, बांदीकुई से मेगनाथ मीना, गिर्राज जांगिड आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

पूर्व विधायक सिंघल ने भगवान भोलेनाथ का
जलाभिषेक कर आभार दिवस के रूप में मनाया जन्मदिन

सितारा न्यूज नेटवर्क

रुपेश शर्मा /अलवर । अलवर शहर से भाजपा के पूर्व विधायक रहे बनवारीलाल सिंघल के सक्रिय राजनीति में 15 वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने अपने जन्मदिन को आज आभार दिवस के रूप में मनाया। सिंघल ने शहर की जनता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में शहर की जनता ने जो उनको स्नेह दिया और लगातार दो बार विधायक चुना उसके लिए में शहर की आमजन का आभारी हूं। इसलिए मैं आज अपने जन्मदिन को आभार दिवस के रूप में मना रहा हूं। उन्होंने अल सुबह परिवारजनों के साथ इंद्रा कॉलोनी स्थित गौशाला में पहुंचकर गायों को गुड चारा खिलाकर गो सवामणी की उसके बाद सिंघल कार्यकताओं के साथ शहर के प्रसिद्ध त्रिपोलेश्वर महादेव के मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने अपनी माताजी संतरा देवी पत्नी विपिनलता और दोनों भाई राजेश,वेदप्रकाश सिंघल व परिवारजनों के साथ बाबा भोलेनाथ का रुद्री पाठकर जलधारा के साथ जलाभिषेक किया। त्रिपोलेश्वर महादेव मंदिर के महंत जितेंद्र खेड़ापति के सानिध्य में जलाभिषेक पूर्ण किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए हुए सिंघल ने कहा की शहर की जनता का अपार स्नेह उन्हें हमेशा मिलता रहा है और आगे भी इसी प्रकार मिलता रहे,इसी उद्देश्य से शहर के हर वर्ग के लोगों को विकास की कड़ी से जोड़ना है।इसके लिए मैं स्वयं शहर की जनता के साथ 24 घंटे दिन्रात खड़ा हूं और उनके हर सुख दुःख में साथ हूं। जलाभिषेक कार्यक्रम से पूर्व सिंघल के निवास पर सुबह से ही लोगों का आना जाना लगा रहा,जहां पहुंचकर कार्यकताओं व उनके शुभचिंतकों उनकों जन्मदिन की बधाई दी।इस दौरान पूर्व सभापति अशोक खन्ना मंडल अध्यक्ष मनोज चौहान पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश तिवाड़ी पवन खंडेवाल पार्षद हेतराम यादव पूर्व पार्षद रणदीप सिंह लकी अंजू शर्मा नत्थीलाल सैन भाजपा के पूर्व आईटी संयोजक विशाल गांधी अंकित कौशिक राजेंद्र शर्मा अरुण शर्मा मधुर भाटिया महेंद्र शर्मा गिरीश अग्रवाल डेविड माटा विपुल जैन विपिन सेतिया लोकेश गुप्ता दीपक गुप्ता भारत बोदवानी उम्मेद सिंह सचिन सक्सेना जयपाल चौधरी सतीश गागल दयानंद गुप्ता धर्म सोनी यशवंत खंडेलवाल हीरू हरवानी चंद्रशेखर गुप्ता मनीष कुमार लोकेश खंडेलवाल विवेक जैन दीपक भारद्वाज विवेक खंडेलवाल योगेश अग्रवाल विशाल खंडेलवाल विकास गोयर हरिशंकर अरोड़ा पीयूष अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता व उनके समर्थक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जी ! सुनी आपने पुकार अब और आपसे बहुत कुछ आस...

साइकिल भत्ता व धुलाई भत्ता बढ़ाने पर जलदाय कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

नई भर्ती व कार्य प्रभारित कर्मचारियों के जारी आदेश में वेतन विसंगति दूर करने की रखी मांग

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर राज्य कर्मचारियों का साइकिल भत्ता व धुलाई भत्ता बढ़ाने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का राजस्थान वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का आभार जताया। संघ के प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कर्मचारियों को दिए जाने वाले वर्दी धुलाई भत्ता, साइकिल भत्ता व लिवरेज राशि बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था उस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई करते हुए शहरी जल योजना में कार्यरत कर्मचारियों को दी जाने वाली साइकिल भत्ते की राशि जो पिछले 30 वर्षों से 50 रुपए थी उसे बढाकर 150 रुपए की व गई है इसी प्रकार वर्दी धुलाई भत्ता की राशि 2013 में 150 रुपए की गई थी उसे बढाकर 180 की गई है।उसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताने के लिए शुक्रवार को दर्जनों कर्मचारी नेता ज्योति नगर स्थित संघ के प्रधान कार्यालय में एकत्रित होकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए मांग की है कि विभाग में नई भर्ती, महंगाई के अनुरूप लिवरीज राशि में पैसे बढ़ाने व हाल ही कार्यप्रभारित कर्मचारियों का नियमितीकरण करते हुए पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं उसमें पूर्व पदो के वेतनमान व नये पदो के वेतनमान मे विसंगति रह गई है उसे दूर करवाने की मांग की है। इस मौके पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप यादव, प्रवक्ता बाबूलाल शर्मा, उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष मोहनलाल शर्मा, शहर अध्यक्ष सहीदउद्दीन, वृत अध्यक्ष प्रभु सिंह रावत, ओम प्रकाश मीणा, भंवर पूर्णिया, बनवारी लाल सैनी, सत्यम अग्रवाल, विजय सिंह, मान प्रकाश सैनी सहित कई कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

श्रीनाथ मार्केट सहित शहर के प्रमुख बाजारों में फिर लगने लगा है जाम

मुख्य बाजारों में ठेले वाले खड़े होने के कारण आने जाने में भी होती है दिक्कत

मुख्य मार्केट की दुकानों के आगे सब्जी विक्रेता के ठेले खड़े होने से अव्यवस्थाओं का आलम

आखिर फल विक्रेता और सब्जी विक्रेताओं का स्थान क्यों नहीं है केंद्रित

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर,ब्यूरो चीफ (अनिल सिखवाल)। वाह रे मेरे ब्यावर शहर तेरे को जिले का दर्जा तो भले ही मिल गया हो लेकिन शहर के मुख्य बाजारों की यातायात व्यवस्था अपनी बेबसी को ही रोती हुई नजर आ रही है सबसे बड़ा विचारणीय बिंदु यह है कि कुछ दिन यातायात व्यवस्था सुचारू होती है फिर ढाक के तीन पात जैसी स्थिति ही नजर आती है शहर के मुख्य बाजारों में आए दिन जाम लगता है कई बार तो सब्जी विक्रेता और फल विक्रेताओ के ठेले की तितर-बितर व्यवस्था के कारण भी पैदल चलने वाले राहगीर भी काफी दिक्कत महसूस करते हैं शुक्रवार को एक बार फिर महेश्वरी भवन के सामने वाली गली अर्थात श्रीनाथ मार्केट में ठेले वाले इस इस तरह खड़े थे मानो मार्केट के मुख्य दुकानदारों की दुकानें ही नदारत हो गई हो जिसके कारण कई बार इन दुकानदारों को भी काफी दिक्कतें महसूस होती है जब भी यातायात पुलिस इन ठेले वालों को आगे जाने के लिए कहा जाता है यह इधर-उधर गलियों में छुप जाते हैं पुलिसकर्मियों के जाते ही वापस वही ए वस्तुओं का आलम देखने को मिलता है इसी तरह पिपलिया बाजार में भी मुख्य दुकान के आगे ठेले वाले इस कदर खड़े हो जाते हैं कि उन दुकानदारों को अपना व्यवसाय करने में भी दिक्कत होने लगती हैं आखिर इन ठेले वाले और सब्जी विक्रेता फल विक्रेताओं का कोई चिन्हित स्थान क्यों नहीं है ? यदि प्रशासन के आला अधिकारी इनका स्थान निर्धारित कर दे तो मुख्य दुकानदारों को दिक्कत भी नहीं हो साथ ही मुख्य बाजारों में लगने वाले जाम से आमजन परेशान भी नहीं हो श्रीनाथ मार्केट के कई दुकानदारों का यह भी कहना है कि जिस तरह से ठेले वाले गलियों में आकर खड़े हो जाते हैं जिसके कारण कई बार दुपहिया वाहन चालक भी चोटिल हो चुके हैं साथ ही उक्त मार्केट में कुछ कचोरी के ठेले भी इस तरह से लगे हैं कि उनका ध्यान केवल व्यापार पर ही है कचोरी खाने वाले खाकर चले जाते हैं और सड़क पर डोने उड़ते रहते हैं जिससे कई बार सफाई व्यवस्था की चौपट होती हुई दिखाई देती है आखिर प्रशासन के आला अधिकारीयो को उक्त समस्या की ओर ध्यान देना अति आवश्यक है यदि समय रहते इस समस्या से निजात नहीं दिलाया गया तो मुख्य बाजार में घंटों जाम लगने की स्थिति देखने को मिलेगी ।

ग्राम पंचायत स्तर पर ओलंपिक खेलों का शुभारंभ आज

रैणी ब्लॉक से विभिन्न खेलों के लिए कुल 6614 खिलाड़ियों ने करवाया रजिस्ट्रेशन

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना। राजस्थान सरकार के निदेशानुसार तमाम ज़िलों की तरह ही अलवर जिले मे भी ओलंपिक खेल-2023 के आज शनिवार से शुरू हो रहे है। मिडिया को रैणी सीबीईओ राजेन्द्र मीना के द्वारा बताया गया कि हमारे रैणी ब्लॉक से कुल 6614 खिलाडियों ने विभिन्न खेलों में रजिस्ट्रेशन करवाया है और हमारे द्वारा सभी रजिस्ट्रेशन कराने वाले खिलाडियो को समस्त पीईईओ के द्वारा खेल (यूनिफॉर्म) किट भी भेज दी गई है, समस्त खिलाडियो को खेल किट भी दे दी गई है।

रैणी सीबीईओ मीना ने मिडिया को बताया कि ब्लॉक स्तर से टीम के हिसाब से 2740 मेडल भी समस्त पीईईओ को भेज दिए गए है। खेल मैदान की व्यवस्था भी हमारे एडिशनल सीबीईओ द्वितीय रामस्वरूप मीना (ओलंपिक खेल प्रभारी)के द्वारा देख ली गई है समुचित व्यवस्था ठीक है। मिडिया को यह सारी जानकारी रैणी सीबीईओ राजेन्द्र कुमार मीना के द्वारा दी गई है।

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में...

नर्सेज संघर्ष समिति ने जयपुर के एस.एम.एस. हॉस्पिटल के बाहर दिया सांकेतिक धरना प्रदर्शन

गोविंदगढ़ ब्लॉक नर्सिंग संघर्ष समिति के करीब 50 नर्सिंग कार्मिकों ने जयपुर में आयोजित धरना प्रदर्शन में लिया भाग

नर्सेज की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर दिया धरना किया प्रदर्शन

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (एस.एम.एस.) हॉस्पिटल के गेट नंबर 3 पर शुक्रवार को राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में नर्सेज की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया। गोविंदगढ़ ब्लॉक नर्सिंग संघर्ष समिति के सचिव सहीराम चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि सांकेतिक धरना प्रदर्शन के दौरान नर्सेज की 11 सूत्रीय मांगो वेतन भत्तों की विसंगति दूर कर केंद्र एवं दिल्ली के समान किए जाने, एनएम एवं नर्सिंग ट्यूटर का पदनाम परिवर्तन किए जाने, संविदा से नियमित हुए नर्सिंग कार्मिकों की संविदा सेवाकाल का नेशनल लाभ दिया जाने , नर्सिंग कार्मिकों की प्लेसमेंट एजेंसी एवं संविदा भर्ती पर रोक लगाकर नियमित वेतनमान दिया जाने , नर्सिंग स्वतंत्र निदेशालय की स्थापना किए जाने , नर्सिंग ट्यूटर एवं नर्सिंग ऑफिसर का पद राजपत्रित किये जाने , नर्सिंग कार्मिकों की नियमित पदोन्नति किए जाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर गोविंदगढ़ ब्लॉक नर्सेज द्वारा सांकेतिक धरना प्रदर्शन कार्यक्रम रखा गया। धरने में गोविंदगढ़ ब्लॉक के करीब सभी चिकित्सा संस्थानों से 50 से अधिक नर्सेज साथियों ने धरना प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान प्रदेश नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा संघर्ष की आगामी योजना के बारे में रणनीति साझा की गई। इस मौके पर ब्लॉक संघर्ष संयोजक देवदत्त शर्मा एवं संरक्षक रामकरण मीणा ने सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

चिंतन

फैसलों में कानूनी आधार अधिक समावेशित हों

राहुल गांधी को मोदी सरनेम वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने से निचली अदालतों की न्याय प्रक्रिया के आधार उजागर हुए हैं। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी अधिक महत्वपूर्ण है। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि 'निचली अदालत के न्यायाधीश ने राहुल गांधी को दोषी ठहराते समय कोई कारण नहीं बताया, सिवाय इसके कि उन्हें अवमानना मामले में शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी थी।' शीर्ष अदालत ने राफेल मामले के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ उनकी ''चौकीदार चोर है'' टिप्पणी को गलत तरीके से बताने के लिए राहुल गांधी द्वारा बिना शर्त माफी के बाद उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद करते हुए भविष्य में उन्हें और अधिक सावधान रहने की चेतावनी दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जहां तक दोषसिद्धि का सवाल है, भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) के तहत दंडनीय अपराध के लिए सजा अधिकतम दो साल की कैद या जुर्माना या दोनों है और निचली अदालत ने अधिकतम दो वर्ष की सजा सुनाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'केवल निचली अदालत के न्यायाधीश द्वारा सुनाई गई इस अधिकतम सजा के कारण, वे (राहुल) जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के दायरे में आ गए।' पीठ ने कहा, 'यदि सजा एक दिन कम होती, तो प्रावधान लागू नहीं होते, खासकर जब कोई अपराध गैर संज्ञेय, जमानती और समझौता योग्य हो। निचली अदालत के न्यायाधीश से कम से कम यह अपेक्षा थी कि वह अधिकतम सजा देने के लिए कुछ कारण बताते। हालांकि अपीलीय अदालत और उच्च न्यायालय ने दोषसिद्धि पर रोक को खारिज करने के लिए काफी पन्ने भरे हैं, लेकिन उनके आदेशों में इन पहलुओं पर विचार नहीं किया गया है।' शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी भी महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी की दोषसिद्धि और उसके बाद संसद की सदस्यता से अयोग्य करार दिया जाने ने न केवल सार्वजनिक जीवन में बने रहने के उनके अधिकार को प्रभावित किया, बल्कि मतदाताओं के अधिकार को भी प्रभावित किया, जिन्होंने उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना था। देश की निचली अदालतों को सुप्रीम कोर्ट की इस अहम बात को सबक की तरह लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, हालांकि यह कब होगा, सब लोकसभा सचिवालय पर निर्भर करेगा। सांसदी रद करने में सचिवालय ने 24 घंटे भी नहीं लगाए थे। अब लोकसभा सचिवालय की परीक्षा है। राहुल को राहत मिलने से विपक्ष की राजनीति तेज हो सकती है। यह पहली बार नहीं है कि निचली अदालत के फैसले उच्चतम न्यायालय में 360 डिग्री पलट गए हों, लेकिन राहुल मामले में फैसले देने में निचली अदालत व हाईकोर्ट ने कानूनी आधार की गहन विवेचना नहीं की, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से ऐसा प्रतीत होता है। देश की अदालतों को देखना होगा कि अगर उनके फैसले से किसी का जीवन गहरे तक प्रभावित होने वाला है, तो कानून के हर पहलू का गहन अध्ययन व विश्लेषण आवश्यक है। फैसले व्यापक कानूनी आधार पर ही होने चाहिए। देश में पांच करोड़ केस लंबे समय से विभिन्न अदालतों में पेंडिंग हैं, लेकिन कुछेक मामलों में देश की अदालतें जल्दीबाजी में दिखती हैं। लोगों का भरोसा अदालतों पर है, इसलिए अदालतों को अधिक संजीदगी से काम करना चाहिए। राहुल के खिलाफ अभी चार और मामले अदालतों में हैं।

370 हटने की वर्षगांठ

मृत्युंजय दीक्षित

जम्मू-कश्मीर में उन्नति का सूर्योदय

जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35-ए हटाए जाने के चार वर्ष पूरे हो गए हैं और राष्ट्र इसके परिणामों की व्यापक अनुभूति कर रहा है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद वहां शान्ति और विकास का एक नया युग प्रारम्भ हुआ है। श्रीनगर में जी-20 की बैठकें बहुत ही शांत व सुरम्य वातावरण में संपन्न हुई हैं। चीन और पाकिस्तान ने जी-20 की बैठकों में खलल डालने का हरसंभव प्रयास किया, किंतु वह नाकाम रहे। स्वतंत्रता के बाद श्रीनगर में पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह जम्मू कश्मीर ही नहीं संपूर्ण भारत के लिए गर्व के पल रहे। जम्मू कश्मीर में पर्यटन उड़ान भर रहा है। उत्तरी कश्मीर का बांदीपोरा जिला पर्यटन के नए केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। यहां वुलर झील के किनारे स्थित जुरीगंज हो या फिर जम्मू कश्मीर को अलग करने वाली नियंत्रण रेखा से सटा गुरेज पूरे जिले में पर्व जैसा वातावरण है। एक समय इस जिले के जंगलों में आतंकियां ने प्रशिक्षण केंद्र खोल रखे थे और वह हथियारबंद होकर जिले में टहला करते थे। अब वहां पर्यटकों के शिविर लगे हैं। श्रीनगर की डल झील में शिकारे वापस आ गए हैं। जम्मू कश्मीर के प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों की घंटियों और आरतियों के स्वरों से वातावरण पवित्र हो रहा है। 75 वर्षों के सतत उत्पीड़न के पश्चात कश्मीर में हिंदू पर्व फिर मनाए जाने के प्रयास हो रहे हैं। श्रीनगर घाटी में भी विजयदशमी की धूमधाम व उत्साह वापस दिखने लगा है। जम्मू कश्मीर में सिनेमाघर खुल गए हैं और फिल्मों की शूटिंग भी फिर से होने लगी है। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद व अलगावाद के कारण 2008 से 2021 तक (इसमें 20-21 का कोविड काल भी है) के लम्बे समय में स्कूल-कालेज प्रायः बंद रहे, किंतु अब बच्चों के चेहरे पर मुस्कान वापस आ गई है, नहीं तो एक समय वह भी था जब आतंकवादी हरकतों का शिकार वहां के स्कूल बच्चे व शिक्षक भी हुआ करते थे। बच्चियों को हिजाब पहनने के लिए मजबूर किया जाता था, किंतु अब स्थितियां बदल गई हैं। जम्मू कश्मीर का युवा पत्थर और हथियार छोड़कर विकास की गंगा के साथ खड़ा हो रहा है। वह फुटबाल, क्रिकेट, हाकी और कुश्ती के दांवपेच सीख रहा है। धारा-370 समाप्त होने के बाद यहां पंचायत चुनाव शान्तिपूर्वक और बिना किसी भेदभाव के साथ संपन्न हुए हैं। बदले परिवेश में निवेशक भी यहां निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। इसके साथ ही आतंकवाद विरोधी कड़ी कार्यवाहियों के कारण आतंक समर्थक ईको सिस्टम काफी नियत्रिंत ही नहीं अपितु कई जिलों में पूरी तरह समाप्त हो चुका है। इसका पता इसी से चलता है कि 2018 में आतंकियों की भर्ती 199 से गिरकर 2023 में 12 रह गई है। 2018 में बंद व हड़ताल की 53 घटनाएं हुई थीं जो 2023 में अब तक शून्य हैं। 2018 में संगठित पत्थरबाजी की कुल घटनाएं 1,769 थीं जो 2023 में अभी तक शून्य हैं। जम्मू कश्मीर में इस वर्ष 27 से अधिक आतंकी मारे जा चुके हैं। राज्य में अलगाववाद और पत्थरबाजी काफी कम हो गई है और अब जो घटनाएं घट रही हैं वह केवल बचे-खुचे

लोगों की एक भड़ास है जो कभी-कभी फूटती रहती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि लाख प्रयास करने के बाद भी आतंकवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम नहीं दे पा रहे हैं। सुरक्षाबलों ने अनेक अवसरों पर आतंकी वारदातें करने की साजिशों को नाकाम किया है। जब राज्य में 370 लगी हुई थी उस समय यहां सुरक्षाबलों की आवाजाही नहीं हो पाती थी और पत्थरबाजी होने पर व भारत विरोधी नारेबाजी होने पर सुरक्षाकर्मी मूक दर्शक बनकर खड़े रहते थे, किंतु अब ऐसी परिस्थितियां नहीं हैं। धारा-370 और 35-ए को समाप्त करने के लिए संसद ने कानून पारित किया और राष्ट्रपति ने अपनी अनुमति प्रदान की।

कुछ अलगाववादी लोग जो इन अनुच्छेदों का उपयोग अपने निहित स्वार्थों के लिए किया करते थे सुप्रीम कोर्ट चले गये। जम्मू कश्मीर के जो परिवारवादी, स्वार्थवादी, अलगावादी राजनेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को बड़ी जनसभाओं में चेतावनी देते थे कि इन अनुच्छेदों को कभी भी हटाया नहीं जा सकता। आज उन सभी के चेहरे पे हवाइयां उड़ रही हैं। जो लोग सरकार को चुनौती दे रहे थे कि अगर इन धाराओं को हटाया गया तो घाटी में कोई तिरंगा फहराने वाला नहीं मिलेगा आज वह सभी हतप्रभ हैं। केंद्र सरकार व सुरक्षाबलों की सुनियोजित रणनीति से आज अलगावावादी नेताओं, पत्थरबाजों तथा दो-तीन परिवारवादी नेताओं की कश्मीर की धरती से जड़ें हिल चुकी हैं यहीं कारण है कि यह लोग किसी न किसी प्रकार से जम्मू कश्मीर का वातावरण बिगाड़ने के लिए ताक लगाए बैठे हैं तथा राज्य व देश के किसी भी हिस्से में झूठी अफवाहों के आधार पर हिंसा फैलाने व आतंकवाद को फिर से जीवित करने का अवसर खोज रहे हैं। आज पूरे जम्मू कश्मीर में तिरंगा फहराया जा रहा है। जम्मू ही नहीं अपितु पूरी घाटी में प्रधानमंत्री मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत यहां हर घर मे तिरंगा फहराया गया। पूरी घाटी उत्सव में डूबी रही। पुलवामा, शोपियां, अनंतनाग सहित कश्मीर घाटी के सभी आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाने लगा है। वहां के नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर वंदेमातरम के नारों के साथ झूम रहे हैं। कश्मीर की इस शांति को भंग करने के लिए पाकिस्तान व उसके पाले हुए आतंकवादी तथा अलगाववादी नेता पूरा जलाने प्रयास कर रहे हैं। उनकी साजिशें लगातार जारी हैं। पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा के साथ यहां के सभी भाजपा व संघ विरोधी दल व देशद्रोही ताकतें दिनरात बेनकाब हो रहे हैं। अब शांतिभंग का प्रयास करने वालों व उनके संगठन को भी आतंकवादी संगठन घोषित कर प्रतिबंधित किया जा सकेगा। जब आतंकवादी संगठनों व पाकिस्तानी माड्यूल्स के लोग इतनी आसानी से शान्ति भंग नहीं कर पाएंगे। भारत सरकार की कुशल रणनीति के कारण आज पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर अलग-थलग पड़ चुका है। वह बार-बार यूएन जाता है, लेकिन अब उसे मात ही खानी पड़ रही है। घबराया और डरा हुआ पाकिस्तान जिसके आर्थिक हालात बहुत नाजुक हैं वह कुछ भी कर सकता है। अतः खुशी के वातवारण में कहीं रंग में भंग न पड़ जाए, इसलिए अब और अधिक सतर्कता की आवश्यकता है। घर के अंदर के बैठे राष्ट्र विरोधी भी लगातार साजिशें रच रहे हैं तथा अवसर की खोज में हैं और यही कारण है कि यद्यपि जम्मू-कश्मीर में धारा-370 और 35ए अब इतिहास बन चुका है और जम्मू कश्मीर में उन्नति का सूर्योदय हो चुका है, तथापि देश विरोधी तत्वों द्वारा केंद्र सरकार के इस निर्णय के विरुद्ध दायर याचिकाओं पर भी सुप्रीम कोर्ट को चार वर्ष पश्चात सुनवाई करनी पड़ रही है।

(लेखक पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

> जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद वहां शान्ति और विकास का एक नया युग प्रारम्भ हुआ है। श्रीनगर में जी-20 की बैठकें बहुत ही शांत व सुरम्य वातावरण में संपन्न हुई हैं। चीन और पाकिस्तान ने जी-20 की बैठकों में खलल डालने का हरसंभव प्रयास किया, किंतु वह नाकाम रहे। स्वतंत्रता के बाद श्रीनगर में पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह जम्मू कश्मीर ही नहीं संपूर्ण भारत के लिए गर्व के पल रहे। जम्मू कश्मीर में पर्यटन उड़ान भर रहा है। बांदीपोरा जिला पर्यटन के नए केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। धारा-370 और 35ए अब इतिहास बन चुका है और जम्मू कश्मीर में उन्नति का सूर्योदय हो चुका है।

मृत्युंजय मंत्र यानी मृत्यु पर विजय का मंत्र

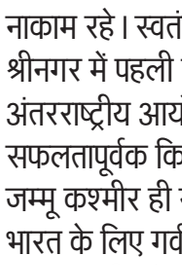

संकलित

दर्शन

शिव का मृत्युंजय मंत्र वैदिक परंपरा में सबसे प्रतिष्ठित मंत्रों में से एक है। मृत्युंजय का अर्थ है मृत्यु पर विजय। आत्मा की कोई मृत्यु नहीं है। यह एक शरीर से दूसरे शरीर में जाती है। मृत्युंजय का अर्थ है क्षणभंगुर पर मन की विजय और शाश्वत की ओर बढ़ना। जब मन को यह एहसास होता है कि मैं शाश्वत हूं। मुझमें कुछ ऐसा है जो बदल नहीं रहा है। फिर कोई भय नहीं रहता। भय मृत्यु के लक्षणों में से एक है। जब आप भय पर विजय प्राप्त करेंगे, तब नाशवान के साथ पहचान की लघु मानसिकता पर विजय प्राप्त कर लेंगे और अविनाशी की ओर बढ़ेंगे। हम इन दोनों का मिश्रण हैं। हमारी आत्मा अविनाशी है और शरीर नाशवान है। अक्सर हमारा मन नाशवान से जुड़ा होता है और उसे लगता है कि वह मर रहा है। मृत्युंजय मंत्र हमारे मन को सीमित पहचान से असीमित पहचान की ओर ले जाता है। इसमें एक प्रार्थना है- शिव मुझे सबल बनाएं। उन्हें मुझे दृढ़ बनाने दो, वह मुझे बंधन से मुक्ति दिलाएं। आमतौर पर लोग पूछते हैं कि जीवन का उद्देश्य क्या है? सृजन का उद्देश्य क्या है? यह ब्रह्मांड किसी स्थान पर जाने की यात्रा नहीं है। सृष्टि का कोई उद्देश्य नहीं है। यह मात्र चेतना का एक खेल और प्रदर्शन है। जैसे नर्तक और नृत्य अलग नहीं हो सकते, वैसे ही सृष्टि और रचयिता दो अलग वस्तुएं नहीं हैं।

तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

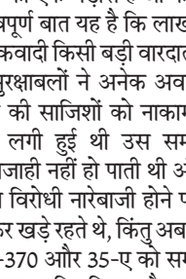

संकलित

प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहाँ सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान के दर्शन हो जायेंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोलाः जी हाँ ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

सारा संसार

द्वारका में स्थित नागेश्वर मंदिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर गोमती द्वारका और बैत द्वारका द्वीप के बीच मार्ग पर स्थित है। यहाँ के मुख्य देवता भगवान शिव हैं, जिन्हें नागेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। शिव पुराण के अनुसार, जो लोग नागेश्वर ज्योतिर्लिंग में प्रार्थना करते हैं, वे सभी विषों, सांपों के काटने और सांसारिक आकर्षण से मुक्त हो जाते हैं। यहां लिंग दक्षिण की ओर है। नागेश्वर मंदिर का एक प्रमुख आकर्षण भगवान शिव की 80 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा है।

दरकार

बालमुकुन्द ओझा

नफरती भाषणों पर रोक लगे

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार दोहराया है कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि किसी भी समुदाय के खिलाफ कोई नफरत भरा भाषण न दिया जाए। कोर्ट ने इससे पूर्व 2022 के एक आदेश का दायरा बढ़ाते हुए कहा कि अगर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश बिना शिकायत के भी नफरत फैलाने वाले भाषण देने वालों पर एफआईआर दर्ज नहीं करवाई तो इसे अदालत की अवमानना माना जाएगा। नेताओं के भाषणों में और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नफरत, झूठ, अपशब्द और असंसदीय भाषा का प्रयोग देखा जा सकता है। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, व नफरत भरे बोल से कमजोर होता है। आलोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं। चुनाव आते ही नेताओं की बांछे खिल जाती हैं। भाषणों में नफरत के तीर चलने लग जाते हैं। सियासी शत्रुता के गुबार फूटने लगते हैं। नीतियों और मुद्दों की बाते गौण हो जाती हैं। देश में संसद और संसद के बाहर नफरत के बोलों से लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा है। संसद के बजट सत्र की शुरुआत लगता है नफरत भरे बयानों से हुई है। यह सही है की कांग्रेस के सत्ताच्युत होने और मोदी के सत्तासीन होने के बाद देश में नफरत के बादल मंडराने शुरू हो गए थे। विशेषकर मोदी के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया वे घोर असंसदीय थे। इसके विरोध में कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी को भी उनके विरोधियों ने नहीं बक्शा। आज हालत यह हो गई है की देश में कोई भी वारदात हो जाती है तो तुरतफुरत में ऐसे ऐसे बयानवीर और उनके जहरीले बयानों का देश को सामना करना पड़ता है जिसे पढ़ और सुनकर सिर न केवल शर्म से झुक जाता है, अपितु लोकतंत्र की बुनियाद भी कमजोर होने का खतरा मंडराने लगता है। कई बार तो इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से सीधे प्रधानमंत्री का नाम जोड़कर निंदा के बयानों की झड़ी लग जाती है। प्रधानमंत्री की पार्टी के लोग पलटवार में जिस भाषा का प्रयोग करते हैं उसे भी जायज नहीं ठहराया जा सकता। नफरत की यह सियासत उचित नहीं है किसान आंदोलन के दौरान नफरत और घृणा का जैसा घमासान देखने को मिला वह दुर्लभतम उदाहरणों में से एक है। इससे पूर्व नागरिकता कानून के विरोध में हुए आंदोलन में नफरत का खुलकर इजहार किया गया। इस दौरान खबरिया चैनलों ने आग में घी डालने का काम किया है। स्वस्थ और रचनात्मक बहस का स्थान घृणात्मक और नफरत से ओतप्रोत वाद विवाद ने ले लिया है। देश में नफरत की भावना का प्रसार बड़ी तेजी से हो रहा है। इनमें उनके निहितस्वार्थ हैं। आज पक्ष और विपक्ष में मतभेद की गहरी खाई है। यह खाई लोकतांत्रिक परंपराओं को नष्ट करने को आतुर है। इतिहास इस बात का गवाह है हमने कभी नफरत को नहीं अपनाया। सदा सहिष्णुता का अनुसरण कर देश को मजबूत बनाया। देश में व्याप्त नफरत के इस माहौल को खत्म कर लोकतंत्र की ज्वाला को पुनः स्थापित करने की महती जरूरत है और यह तभी संभव है जब हम खुद अनुशासित होंगे और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन नहीं करेंगे।

सटाका

आज की पाती

पौधे हमारे भविष्य को सुरक्षित करेंगे

पिछले कुछ दिनों में देश के बहुत से राज्यों में भारी बारिश हुई, लेकिन इसके बावजूद गर्मी से यह राज्य उबल रहे हैं। इसका कारण घटती पेड़-पौधों की संख्या भी है। ग्लोबल वार्मिंग समस्या भी पेड़-पौधों की घटती संख्या के कारण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार के रेडियो प्रोग्राम मन की बात में यूपी सरकार के पौधारोपण अभियान का जिक्र किया। आज जिस तरह सारी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग खतरे के लिए चिंता में है, उसके लिए सारी दुनिया को आज से नहीं, बल्कि अभी से पौधारोपण के लिए गंभीरता दिखानी चाहिए। तभी हम भावी पीढ़ी को साफ-सुथरा पर्यावरण भविष्य में दे पाएंगे। बरसात के मौसम में अगर पौधे लगाए जाएं तो यह इस मौसम में बहुत अच्छे तैयार होते हैं। - विवेक पांडे, रायगढ़

ट्रेंड

ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक

डिजिटल कनेक्टिविटी में भारत आगे बढ़ा! कई जिलों में 3 लाख से अधिक 5जी साइटों की सफल स्थापना हमारी तकनीकी यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। यह तेजी से 5जी रोलआउट राष्ट्र के हर कोने में अत्याधुनिक तकनीक लाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उन्हें भी खुशी होगी

करुणा दूसरों के प्रति चिंता है-दूसरों की भलाई के लिए सच्ची चिंता जो हमारे अपने अनुभव के बारे में जागरूकता पर आधारित है। चूंकि जब दूसरे हमारी मदद करते हैं तो हमें खुशी होती है, इसलिए हम दूसरों को स्नेह दिखाएं तो उन्हें भी खुशी होगी।

-दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

आम लोगों की जीत

सत्यमेव जयते! सुप्रीम कोर्ट के फैसले का तहे दिल से स्वागत। संविधान, लोकतंत्र और भारत के आम लोगों की जीत हुई। वायनाड के नागरिकों की जीत हुई। लोकतंत्र के मंदिर में फिर गूंजेगी आम जन की बुलंद आवाज़।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

उन्हें भी पता

लोक सभा में अमित शाह जी को दिल्ली वालों के अधिकार छीनने वाले बिल पर बोलते सुना। बिल का समर्थन करने के लिये उनके पास एक भी वाजिब तर्क नहीं है। बस इधर उधर की बातें कर रहे थे। वो भी जानते हैं वो ग़लत कर रहे हैं।

-अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

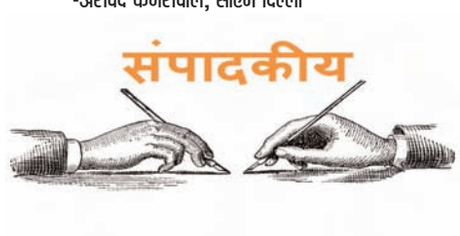

करंट अफेयर

नाइजर का फ्रांस से सैन्य संबंध समाप्त

नाइजर की सैन्य सरकार का कहना है कि उसने अपने पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के साथ सैन्य संबंध समाप्त कर दिये है और पिछली सरकार के कुछ प्रमुख राजदूतों को हटा दिया है। सैन्य सरकार ने कहा है कि पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के नागरिकों को विदेशी सेनाओं और जासूसों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई है। राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को रिहा करने और या संभावित बल का सामना करने के लिए पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय ब्लॉक द्वारा दी गई समय सीमा में दो दिन और बचे है। नाइजर में तख्तापलट की पश्चिमी देशों ने कड़ी निंदा की है। कई पश्चिमी देश अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े जिहादियों से लड़ने के प्रयासों में नाइजर को अपने आखिरी विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखते हैं। सैन्य सरकार के शीर्ष निकाय जुंटा ने घोषणा की है कि वह फ्रांस के साथ हस्ताक्षरित सैन्य समझौतों को समाप्त कर रहा है और उसने फ्रांस, अमेरिका, टोगो और पड़ोसी नाइजीरिया में नाइजर के राजदूतों को हटाने की भी घोषणा की। तख्तापलट करने वाले नेताओं के प्रवक्ता कर्नल मेजर अमादौ अब्द्रमाने ने कहा, 'नाइजर के खिलाफ किसी भी हमले का तत्काल और बिना किसी चेतावनी के जवाब दिया जायेगा।'

ऑफ बीट

घर अक्सर थर्मोस्टेट से अधिक गर्म लगते हैं

एक ही सड़क पर बने दो घर : एक 1950 के दशक में और दूसरा 1990 के दशक में बनाया गया था। वहां कोई पेड़ या अन्य छाया नहीं है। एयर कंडीशनिंग इकाइयाँ समान हैं, हाल ही में बदली गई हैं, और पूरी तरह से काम कर रही हैं। समान थर्मोस्टेट 82 डिग्री फ़ारेनहाइट (27.8 सेल्सियस) पर सेट होते हैं। जब बाहर का तापमान 110 एफ (43.3 सी) होता है, तो 1950 के दशक का घर हवा के समान तापमान के साथ भी अंदर संभवतः कम से कम 10 एफ (5.6 सी) गर्म महसूस होता है। क्यों? इसका उत्तर तेज गर्मी से संबंधित है। तेज़ गर्मी ही वह चीज़ है जो आपको ठंडी सर्दियों की रात में कैम्प फायर में गर्म रखती है। आग हवा को अधिक गरम नहीं करती; बल्कि, सूर्य की तरह, आग की अधिकांश गर्मी अदृश्य तरंगों के माध्यम से सीधे कैम्प फायर से आपके शरीर तक पहुंचती है। गर्म, धूप वाले दिन में, अच्छा इन्सुलेशन और डबल-फलक वाली खिड़कियां एयर कंडीशनिंग के लिए कम गर्मी का हस्तांतरण करती हैं, जिससे इमारत के अंदर का औसत तापमान हवा के तापमान के कुछ डिग्री के भीतर रहता है। गर्म सतहों के कारण छोटी इमारतें, जैसे कि मोबाइल घर, छोटे घर, शिपिंग कंटेनर और अपार्टमेंट में बदल गए गैरेज, अक्सर थर्मोस्टेट सेटिंग की परवाह किए बिना असहज महसूस करते हैं।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन सुरक्षा चक्र 2023 (मार्शल आर्ट) आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के पोस्टर का विमोचन

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर जिला प्रशासन, जिला पुलिस विभाग व पीएसटी मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में जिले की विभिन्न स्कूल व कॉलेज की छात्राओं के लिये "ऑपरेशन सुरक्षा चक्र आत्मरक्षा (मार्शल आर्ट) का प्रशिक्षण दिनांक 07 से 14 अगस्त 2023 तक विभिन्न स्कूलों / कॉलेजों में दिया जायेगा। इस शिविर में विभिन्न मार्शल आर्ट कलाओं-कराटे, जुडो, किक बॉक्सिंग, मोई थाई, जिजुत्सु कूडो मिक्स मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जायेगा। "ऑपरेशन सुरक्षा चक्र 2023" आत्मरक्षा (मार्शल आर्ट) प्रशिक्षण शिविर के पोस्टर का विमोचन आज श्री देवेन्द्र कुमार बिश्नोई (आईपीएस) के द्वारा किया गया। इस अवसर पर पीएसटी के टेक्निकल डायरेक्टर रेन्शी प्रीतम सैन, नगेन्द्र सिंह शेखावत, नदीम हुसैन, श्रीभगवान मारू, ललित गौड़, ओम स्वामी आदि उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष श्री देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन सुरक्षा चक्र संस्था का एक पायोनियर मिशन है जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं में सुरक्षा का भाव जागृत करना एवं इसके लिये प्रशिक्षित करना है। संस्था द्वारा 20 वर्षों से 50 हजार से अधिक छात्राओं,महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। एकेडमी के टेक्निकल डायरेक्टर प्रीतम सैन ने बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में छात्राओं- बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बीकानेर की विभिन्न विद्यालय व कॉलेजों की छात्राओं में आत्मरक्षा का गुण विकसित करने तथा आत्मविश्वास का भाव जगाने एवम् उनके सुरक्षा के पहलु को गम्भीरता से लेते हुए पीएसटी मार्शल आर्ट एके-डमी के सहयोग से यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के द्वारा स्कूल-कॉलेजों की छात्राओं को एकेडमी के प्रशिक्षित ब्लैक बेल्टस् द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा अधिक से अधिक छात्राओं को भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा।

डॉ. अबरार के सीएमएचओ पद पर 1 वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पद पर डॉ. मोहम्मद अबरार पंवार के 1 वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर स्वास्थ्य भवन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. अबरार सहित संयुक्त निदेशक डॉ. देवेंद्र चौधरी, उपनिदेशक डॉ. राहुल हर्ष, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. लोकेश गुप्ता, लेखा अधिकारी अभिषेक गोयल, डीपीएम सुशील कुमार, सहायक लेखा अधिकारी इकरार हुसैन, जिला समन्वयक मालकोश आचार्य, गणेश रंगा सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने मिलकर पौधरोपण किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. अबरार के 1 वर्ष के कार्यकाल में जिला मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना, जांच योजना, चिरंजीवी योजना, शुद्ध के लिए युद्ध, सिलिकोसिस इत्यादि फ्लैगशिप कार्यक्रमों में पहले, दूसरे अथवा प्रथम पांच पायदान पर बना रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भी डॉ. अबरार का अभिनंदन किया गया।

सत्यमेव जयते राहुल गांधी के पक्ष में कोर्ट के फैसले का स्वागत-मंत्री जूली

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा /अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि सत्यमेव जयते भारत देश की पहचान रहा है।शुक्रवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत है यह फैसला बताता है कि सच्चाई और न्याय की जीत हुई है। आज फिर देश की शीर्ष अदालत ने यह साबित कर दिया कि देश में आज भी न्याय का राज है। उन्होंने कहा कि नफरत के खिलाफ आज मोहब्बत की जीत हुई है सत्य को अधिक समय तक दबाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी के पक्ष में आए इस फैसले के बाद अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के मालाखेड़ा एवम उमरैण ब्लॉक में कार्यकताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। मालाखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र सावित्री मीना एवम उमरैण ब्लॉक अध्यक्ष जफरू खान के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने कांग्रेस जिंदाबाद गगनभेदी नारों से आसमां गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन मालाखेड़ा हिम्मत सिंह चौधरी, बहादुरपुर चेयरमैन संजय गर्ग,मांगीलाल कटारिया, बनवारी चौधरी, सुभाष बसवाल,अमर सिंह चौधरी, मनोज मीणा, अशोक शर्मा, राजेंद्र राजावत, मनमोहन सोलंकी,मुन्ना मीणा, राहुल पटेल, इंद्र मीणा,अलाउद्दीन डॉ सरजीत सिंह,अनिल दुबे, वकील खान, नितिन धाकड़ सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेत में लगे कंटीले तारों पर गिरा युवक:गर्दन की नस कटने से मौत

धौलपुर। बाइक के फिसलने से बाइक सवार सड़क किनारे खेतों में लगे कटीले तारों पर गिर गई। गर्दन की नस कटने की वजह से उसकी मौत हो गई।सैपऊं थाना क्षेत्र में एक बाइक असंतुलित होकर फिसल गई। बाइक के फिसलने से बाइक सवार सड़क किनारे खेतों में लगे कटीले तारों पर गिर गई।

खेलेंगा नदबई...

अवाना आज अपने निर्वाचन क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण ओलंपिक खेलों का करेंगे शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

भरतपुर/नदबई। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष व नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना 5 अगस्त शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के दौर पर रहेंगे इस दौरान वे 5 अगस्त से शुरू हो रहे राजस्थान में राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का शुभारंभ करेंगे शहरी ओलंपिक में नदबई मुख्यालय पर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय से शुभारंभ कर उसके बाद ग्रामीण में नदबई की ग्राम पंचायत न्यौठा में आयोजित ग्रामीण ओलंपिक में भाग लेकर

विधनासभा क्षेत्र की उच्चैन नगर पालिका में आयोजित शहरी ओलंपिक खेलों में शिरकत कर निरीक्षण करेंगे 5 अगस्त शनिवार से पूरे प्रदेश की 11,252 ग्राम पंचायतों एवं 538 नगरीय निकायों में एक साथ इन खेलों का आयोजन हो रहा जिसका विधायक अवाना अपने विधानसभा क्षेत्र नदबई में शुभारंभ करेंगे नदबई में अब तक शहरी ओलंपिक में 6400 के लगभग पंजीयन हो चुका है और ग्रामीण में 19137 के लगभग पंजीयन हो चुके है इसी प्रकार उच्चैन में शहर में 4500 के लगभग हो चुका है और ग्रामीण में 11500 के लगभग पंजीयन हो चुके है शहरी और ग्रामीण ओलंपिक को लेकर खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है विधायक अवाना शुभारंभ के दिन ही खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन करेंगे उसके बाद विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बहरारेखपुरा के गाँव नेकपुर में बंजारा समाज के द्वारा आयोजित स्वागत और सम्मान समारोह में दोपहर 1 बजे मुख्यअथिति के रूप में भाग लेंगे उसके बाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

रेप का फरार आरोपी गिरफ्तार

धौलपुर। नाबालिग को बंधक बनाकर रेप करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 5 दिन पूर्व नाबालिग को बंधक बनाकर रेप करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को शुक्रवार शाम को कंचनपुर थाना पुलिस ने गुम्मट चौकी के पास से गिरफ्तार किया है। रेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कंचनपुर थाना प्रभारी योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि 5 दिन पूर्व थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिग के माता-पिता बाड़ी अस्पताल में इलाज के लिए गए थे। इस दौरान रात के वक्त नाबालिग शौच करने के लिए घर से बाहर गई हुई थी। इसी दौरान डोगरपुर गांव के रहने वाले आरोपी सुनील उर्फ छोटू (19) खेतों के पास ही हाथ पैर बांधकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था।

लाभार्थियों ने मंत्री ने कहा जुग-जुग जिओ लाल...

कैबिनेट मंत्री ने लाभार्थियों को वितरित की स्कूटी

विशेष योग्यजन स्कूटी वितरण योजना के तहत हुआ आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। विशेष योग्यजन स्कूटी वितरण योजना के तहत कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास एवं महेश जोशी ने विधायक स्थानीय कोष की राशि से विशेष योग्यजन स्वरोजगार एवं अध्ययन के लिए घर से बाहर जाने वाले दिव्यांगजनों को स्कूटी एवं ट्राईसाईकिल का वितरण किया। कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने सिविल लाइंस स्थित आवास में 54 दिव्यांगजनों को इस योजना से लाभान्वित किया। वही कैबिनेट मंत्री महेश जोशी ने हवामहल विधानसभा में 17 विशेष योग्यजनों को ट्राई साइकिल का वितरण किया।

खाचरियावास में विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन ने की बैठक

जिला स्तरीय अधिवेशन की तैयारियों को लेकर की बैठक

सितारा न्यूज नेटवर्क

खाचरियावास।(विनोद धायल)। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक सबडिवीजन खाचरियावास में जिला अध्यक्ष दिनेश बिजारणिया की नेतृत्व में आयोजित की गई।जिसमें संगठन के द्वारा 12अगस्त को करवाए जा रहे जिला अधिवेशन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 12अगस्त को जिला अधिवेशन रेलवे सामुदायिक भवन सीकर में करवाया जाएगा जिसमें सरकार के मंत्री व बिजली विभाग के उच्च अधिकारी मौजूद रहेंगे। अधिवेशन में कर्मचारियों से संबंधित मांगों पर चर्चा की जाएगी तथा समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा फिर भी अगर समस्या का समाधान नहीं होता है तो 21अगस्त से जयपुर में महापड़ाव की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा आगे की रणनीति की जाएगी। जिलाध्यक्ष बिजारणिया ने बताया कि अधिवेशन में कर्मचारियों की सभी ज्वलंत समस्याओं का समाधान करवाने की कोशिश की जाएगी, जिसमें सीकर जिले के हजारों बिजली कर्मचारी भाग लेंगे। इस मौके पर महामंत्री कमलेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह, जय प्रकाश मुंड, राजेश कुमावत, ओमप्रकाश ऐचरा, सुरेश सागर, ओमप्रकाश इग नानूराम महला, गिरिराज मीना, गजानंद वर्मा, मोहन सिंह, सांवरमल, जगदीश प्रसाद, सुरेश बुरडक सहित तकनीकी कर्मचारी और सब डिवीजन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान का प्रथम चरण, विद्यार्थियों और मतदाताओं को किया जागरूक

सितारा न्यूज नेटवर्क

दांतारामगढ़।(विनोद धायल) निर्वाचन आयोग के निर्देश और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दांतारामगढ़ अनिल कुमार के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शुक्रवार को स्वीप रथ दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र मगनपुरा तथा खोरा के राउमावि में पहुंचा जहां विद्यालय परिवार द्वारा प्रभारी सहित स्वीप टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया । दांतारामगढ एम डी वी प्रभारी राजेंद्र सरोज ने उपस्थित विद्यार्थियों और मतदाताओं को कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्रवण कुमार वर्मा तथा गिरधारी लाल वर्मा के सानिध्य में आयोजित विद्यालयों के कार्यक्रमों के दौरान उपस्थित, मतदान योग्य हो चुके छात्र, छात्राओं के समक्ष ई वी एम प्रदर्शन किया गया जिसमे ई वी एम द्वारा मतदान करने, मतदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम जुड़ाने की निर्धारित आयु, वी वी पेट मशीन से

मतदाता की अपने वोट की संतुष्टि के बारे में विस्तार से समझाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और उपस्थित कार्मिको द्वारा मॉक पोल भी करवाया जिसमें प्रेमशंकर शर्मा,हरिसिंह कुलरिया, रतन लाल, सीताराम मीना सहित उपस्थित महिला कार्मिको ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रभारी सरोज ने सभी उपस्थित लोगों को आवश्यक रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई और कहा कि युवा देश की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग कर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं । स्कूलों में ई वी एम प्रदर्शन के दौरान युवा और नव मतदाताओं के रूप में विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया ।उपस्थित नव मतदाताओं के रूप में 91विद्यार्थियों और स्टाफ ने मॉक पोल किया । इस अवसर पर सहायक प्रभारी इंसाफ अली तथा सुरक्षा कार्मिक रामसिंह,रघुवीर आदि मौजूद थे

मंत्री जूली ने शिरडी सांई बाबा के दरबार में मत्था टेक मांगी अमन चैन की दुआ

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा /अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने सबका मालिक एक की सीख देने वाले शिरडी के सांई बाबा के द्वार पर पहुंचकर विधिवत दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। इस दौरान साईं बाबा कमेटी की ओर से मंत्री जूली का शॉल ओढ़ाकर व माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया गया।

पड़ताल: पलसाना डूकिया सड़क क्षतिग्रस्त, नजर आए गड्ढे

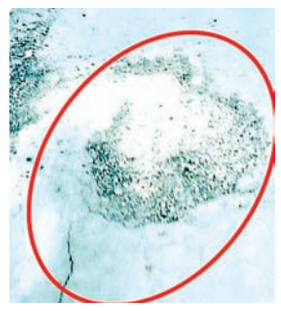

सीकर। हाल ही में नवनिर्मित पलसाना डूकिया अलोदा होते हुए खाटूश्यामजी जाने वाली सड़क बरसात के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई ।सड़क के कई हिस्सों में गड्ढे हो गए । भाजपा नेता शक्ति सिंह अलोदा ने बताया कि जिस सड़क का स्थानीय विधायक उद्घाटन करने जा रहे हैं उस सड़क पर कई गड्ढे नजर आ रहे हैं । ठेकेदारों के द्वारा सड़क निर्माण में घटिया सामग्री काम में ली गई है। सड़क तय समय से पहले ही टूटना शुरू हो गई है ।विधायक को ऐसे ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करवानी चाहिए

ग्रामीण बोले...

हमारे गांव की सड़क जल्दी ही टूटना शुरू हो गई है ,सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है।

- लाल चंद

गोवटी पलसाना से खाटूश्यामजी जाने वाली नई सड़क में कई गड्ढे नजर आ रहे हैं, उद्घाटन से पहले ही सड़क टूट रही है ।

- भरत सिंह गोवटी

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण की मांग को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ(शे) का जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। राजस्थान शिक्षक संघ (शे) की बीकानेर जिला इकाई द्वारा संगठन के बैनर तले तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण सहित विभिन्न मांगों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया गया। संगठन के जिलाध्यक्ष आदूराम मेघवाल ने सरकार से शिक्षकों के तबादले तुरंत करने की बात कही। नगर मंत्री देवेंद्र जाखड़ ने पिछले तीन वर्षों से बकाया समस्त शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति करने की मांग की प्रदेश मंत्री श्रवण पुरोहित ने शिक्षकों को बीएलओ सहित समस्त गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग करते हुए बताया कि संगठन से जुड़ा हुआ प्रत्येक शिक्षक केवल अध्यापन कार्य करेगा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रेवंतराम गोदारा ने उपप्रधानाचार्य के 50%पदों पर विभागीय सीधी भर्ती की मांग की।

पूगल ब्लॉक मंत्री सज्जाद अली ने बताया कि शिक्षकों का सेटअप परिवर्तन विकल्प लेकर स्वेच्छिक होना चाहिए। कोलायत उपशाखा अध्यक्ष महेंद्र पँवार ने 3अ और 3ब के तहत अधिशेष हुए शिक्षकों को जल्द समायोजन करने की मांग की। शिक्षक नेता भँवर पोटलिया ने माध्यमिक शिक्षा में नामांकन के आधार पर स्टाफिंग पैटर्न के अनुसार शिक्षकों के पद निर्धारित करने की मांग की शिक्षक नेता राजेश तरड़ ने महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालयों में संविदा भर्ती को गलत बताते हुए नियमित भर्ती करने की बात कही इनके अलावा संतलाल पुनिया, पृथ्वीराज लेघा,अविनाश व्यास, किशोर पुरोहित, सीमा जैन ने भी धरने को सम्बोधित किया। जिला प्रवक्ता अरुण गोदारा ने संगठन के आगामी कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि शिक्षकों की उक्त मांगे शीघ्र नहीं मानी गई तो संगठन द्वारा आगामी 7 अगस्त से 11 अगस्त तक शिक्षा संकुल जयपुर में धरना और अनशन शुरू किया जाएगा। उपरोक्त मांगो के सम्बंध में संगठन के प्रतिनिधि मंडल द्वारा जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव एवं शासन शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया। आज के धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में जिला मंत्री भँवर सांगवा, सँघर्ष समिति संयोजक श्याम देवड़ा, केसराराम गोदारा, कैलाश वैष्णव, लालचंद थोरी, देवेंद्र सहारण, हेमेंद्र बाना, प्रदीप बिजारणियां, शिवशंकर गोदारा, महेंद्र भंवरिया, जयपाल कूकना, मनीष ठाकुर, हरीराम सहू, गणेश चौधरी, सोहन कूकना, विजय सिंह, कमल जाखड़, रविंद्र विश्नोई, सुंदरलाल, चोरुलाल प्रजापत, किसन, शिव कुमावत, कोजाराम सियाग, जगदीश डिडेल, विजय सिंह, अमित विश्नोई, राजाराम भांभू, जसविंदर बराड़, हुकमाराम झोरड़, खुमानाराम सारण, हारून कुरैशी सहित सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

रोचक

पशु-पक्षियों की इंसान से अनोखी-प्यारी दोस्ती

बच्चों, दोस्ती केवल इंसान की इंसान से ही नहीं होती, इंसान और पशु-पक्षियों में भी दोस्ती होती है। हम यहां तुम्हें इंसान और पशु-पक्षियों की ऐसी ही अनोखी और प्यारी दोस्ती के बारे में बता रहे हैं, जो बहुत ही दिलचस्प है।

फोटो खिंचाते-खिंचाते कई जानवर बन गए दोस्त

अमेरिका की अमेलिया फोरमैन की बहुत ही छोटी उम्र में कई जानवरों से दोस्ती हो गई थी। असल में जब अमेलिया करीब तीन साल की थी तो अपनी फोटोग्राफर मम्मी के साथ काम पर जाती थी। अमेलिया की मम्मी जिन पालतू जानवरों की फोटो खींचती, अमेलिया उन्हें अपना दोस्त बना लेती। धीरे-धीरे चिंपांजी, हाथी, जिराफ और कंगारू जैसे बड़ी काया वाले जानवर भी उसके दोस्त बन गए। अमेलिया की मम्मी उनकी तस्वीरें अपने कैमरे में कैद करती रहती थीं। फिर उसकी मम्मी ने 'एमेलिया एंड द एनिमल्स' नामक एक किताब छपवाई, जिसमें अमेलिया और उसके अनेक जानवर दोस्तों के साथ बहुत सी फोटोज थीं। यही नहीं अमेलिया पर सीरीज बनाने के लिए न्यूयॉर्क की अपेरचर फाउंडेशन ने फंडिंग भी की। जानवरों के साथ अमेलिया की दोस्ती देख उसे लोग 'जंगल गर्ल' के नाम से बुलाते हैं। *

सेहत सुधारने वाली बिल्ली

पूरे इंग्लैंड में आइरिस ग्रेस नाम की एक बच्ची और थुला नाम की बिल्ली के बीच की दोस्ती खूब चर्चा रहती है। कुछ साल पहले इंग्लैंड में लीसेस्टर शायर नामक स्थान की निवासी आइरिस ग्रेस बहुत बीमार हो गई। वह बीमारी के कारण ज्यादातर समय बिस्तर पर लेटी रहती थी। तब आइरिस की सेहत में सुधार करने के लिए उसके पैरेंट्स कई जानवरों को लेकर आए। लेकिन आइरिस की सेहत पर कुछ खास असर नहीं हुआ। लेकिन जब पैरेंट्स थुला नामक छोटी बिल्ली को घर लेकर आए, तो पहले ही दिन से दोनों के बीच बहुत प्यारी दोस्ती हो गई। दोनों साथ में खेलते हैं, बाहर घूमने जाते हैं। आइरिस और थुला अपना ज्यादातर समय साथ-साथ बिताते हैं। एक समय आइरिस को पानी से डर लगता था, लेकिन अब वह अपनी दोस्त थुला के साथ निडर होकर पानी में मजे से खेलती है। *

कौवे देते हैं उपहार

बच्चों, पक्षियों से अगर कोई प्यार करे तो वे भी बदले में प्यार देते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के सिएटल शहर की रहने वाली बच्ची गैबी मान को ही देखो, वह हर रोज नियम से कौवों को खाना खिलाती थी। एक दिन स्कूल से लौटने पर उसने देखा कि सारे कौवे उसका इंतजार कर रहे हैं। ऐसा फिर रोज-रोज होने लगा। गैबी कई बार अपना लंच तक अपने दोस्त कौवों को खिला देती। फिर गैबी की मम्मी ने गौर किया कि कौवे अपनी दोस्त के पास आते तो चोंच में कोई न कोई छोटी-मोटी चीज उपहार स्वरूप दबाए लाते। ऐसे उपहारों का गैबी के पास पूरा संग्रह है। जब यह बात आस-पास के लोगों को पता चली तो उन्हें बहुत हैरानी हुई, क्योंकि कौए जैसे पक्षी तो पालतू भी नहीं होते, वे एक छोटी-सी बच्ची को उपहार देते हैं। *

बत्तख से कमाल की दोस्ती

संयुक्त राज्य अमेरिका में फ्रीपोर्ट कंबरलैंड काउंटी में मेन नाम की एक जगह है। यहां पर दस साल की एक लड़की काइली ब्राउन और स्नोफ्लिक नाम की बत्तख की दोस्ती सबको बहुत आश्चर्यचकित करती है। क्योंकि बत्तख और इंसान की दोस्ती शायद ही पहले किसी ने सुनी-देखी हो। बताया जाता है कि काइली के पैरेंट्स जब बत्तख स्नोफ्लिक को लाए थे तो वह एक चूजा था। पहले ही दिन स्नोफ्लिक और काइली की दोस्ती हो गई। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती गहरी हो गई। आज दोनों साथ में नहाते हैं, खेलते हैं, नदी किनारे जाते हैं। काइली खुद बच्ची होकर अपने नन्हे दोस्त स्नोफ्लिक का बहुत ख्याल रखती है। वहीं, स्नोफ्लिक भी अपने इंसानी दोस्त की हर बात मानती है। *

प्रस्तुति: हर्ष रमेश, देवेंद्र पांडे

जानकारी

फ्रेंडशिप-डे की कैसे हुई शुरुआत

बच्चों, हर साल अगस्त माह के पहले रविवार को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप-डे मनाया जाता है। हम सभी के भीतर इसे मनाने को लेकर काफी क्रेज रहता है। हम अपने दोस्तों को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर या ग्रीटिंग कार्ड देकर इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं। लेकिन क्या तुम्हें मालूम है कि फ्रेंडशिप-डे की शुरुआत कैसे हुई? इसका इतिहास क्या है?

माना जाता है कि फ्रेंडशिप-डे की शुरुआत सबसे पहले सन् 1930 में संयुक्त राज्य अमेरिका की हॉलमार्क कार्ड कंपनी के संस्थापक जॉयस हॉल ने की थी। उन्होंने अपने आस-पास के लोगों को ग्रीटिंग कार्ड देकर फ्रेंडशिप-डे मनाने का सुझाव दिया। इस दिन को खास बनाने के लिए उन्होंने 2 अगस्त का दिन चुना। बाद में धीरे-धीरे एशिया महाद्वीप के बहुत से देशों ने भी फ्रेंडशिप-डे मनाना शुरू किया। आगे चलकर डॉक्टर रमन आर्टिमियो नामक व्यक्ति ने पैराग्वे देश में 20 जुलाई 1958 को अपने दोस्तों के साथ एक डिनर पार्टी रखी। पार्टी में उन्होंने अपने दोस्तों के सामने इंटरनेशनल फ्रेंडशिप-डे मनाने का प्रस्ताव रखा। वह वर्ल्ड फ्रेंडशिप क्रूसेड नाम की संस्था के संस्थापक बने। संस्था ने 30 जुलाई को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप-डे के लिए चुना। तब से हर साल 30 जुलाई को पैराग्वे देश में इंटरनेशनल फ्रेंडशिप-डे सेलिब्रेट किया जाता है। सन् 1998 में संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान की पत्नी नैन अन्नान ने संयुक्त राष्ट्र संघ में कार्टून कैरेक्टर विनी-द-पूह को दोस्ती का अंतरराष्ट्रीय दूत चुना। इसके बाद 27 जुलाई 2011 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा ने 30 जुलाई को आधिकारिक तौर पर इंटरनेशनल फ्रेंडशिप-डे घोषित किया। इस तारीख को कई देशों ने अपनाया। लेकिन दुनिया के अलग-अलग देशों में फ्रेंडशिप-डे अलग-अलग दिन मनाया जाता है। भारत के अलावा अमेरिका, बांग्लादेश, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में अगस्त के पहले रविवार को फ्रेंडशिप-डे मनाया जाता है। *

-बालभूमि फीचर्स

जीके क्विज-65

1. हाल में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सम्मेलन केंद्र 'भारत मंडपम' का उद्घाटन कहां किया गया?
2. बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने किसे सबसे कम उम्र का शतरंज खिलाड़ी घोषित किया है?
3. वर्तमान में देश के रक्षा मंत्री कौन हैं?
4. बिहार के किस शहर का पुराना नाम 'पाटलिपुत्र' था?
5. इसरो के किस रॉकेट ने हाल में सिंगापुर के सात सैटेलाइट को लॉन्च किया?
6. देश के राजकीय चिन्ह में कितने शेर हैं?
7. सोने की शुद्धता के लिए किस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है?
8. किस स्वतंत्रता सेनानी ने 'दिल्ली चलो' का नारा दिया था?
9. भारत छोड़ो आंदोलन दिवस प्रतिवर्ष कब मनाया जाता है?
10. कौन-सी नदियां सुंदरवन डेल्टा का निर्माण करती हैं?

बच्चों, जीके क्विज-65 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-64 का उत्तर : 1-अंशुमान झिंगरन, 2-विराट कोहली, 3-हरियाणा, 4-बुध, 5-टका, 6-सौर वर्ष, 7-मुंशी प्रेमचंद, 8-अमेरिका, 9-ऋग्वेद, 10-गंगा

जीके क्विज-64 का सही उत्तर देने वाले : अक्षांश-सरगुजा, देमिता-रायपुर, पंकज-दिल्ली, प्रकाश-बिलासपुर, निधि-जबलपुर, अनुष्का-महेंद्रगढ़, दीपिका-विदिशा, निकिता-रायगढ़, मुकेश-कोरबा, बबिता-कांकेर, ललिता-रोहतक

हंसगुल्ले

रोहन- सोहन, कल खेलने क्यों नहीं आया?
सोहन- गिर गया था और लग गई...
रोहन(सोहन के बीच में बोल पड़ा)- कहां गिर गया था और क्या लग गई थी? तुम्हारे शरीर में तो कोई चोट नहीं दिख रही है?
सोहन- अरे! मेरी बात पूरी तो सुन। दरअसल, मैं तकिए पर गिर गया था और आंख लग गई थी।

-धर्मेंद्र, दिल्ली

पिंकी पहली बार शहर से अपने दादा-दादी के गांव गई। सुबह के समय पिंकी से दादी-बेटा ये घास भैंस को जाकर खिला दो। पिंकी भैंस के मुंह में झाग देखकर वापस आ गई।
दादी-क्या हुआ घास वापस लेकर क्यों लौट आई?
पिंकी-दादी, अभी तो भैंस ब्रश कर रही है। ब्रश करने के बाद उसे घास दे दूंगी।

-विकास, बिलासपुर

कहानी

हरीश कुमार 'अमित'

एग्जाम देने जा रहे गौरव का चश्मा स्कूल बस में टूट गया। वह यह सोचकर घबराकर रोने लगा कि अब बिना चश्मे के एग्जाम कैसे देगा? अंकुश जो कभी उसका दोस्त था, आजकल उससे बोल-चाल बंद थी, उसने सब कुछ भुलाकर ऐसा इंतजाम किया कि गौरव का नया चश्मा बनकर आ गया। लेकिन अंकुश ने इतनी जल्दी नया चश्मा बनवाया कैसे, क्या गौरव इसके बाद एग्जाम दे सका?

सच्चा दोस्त

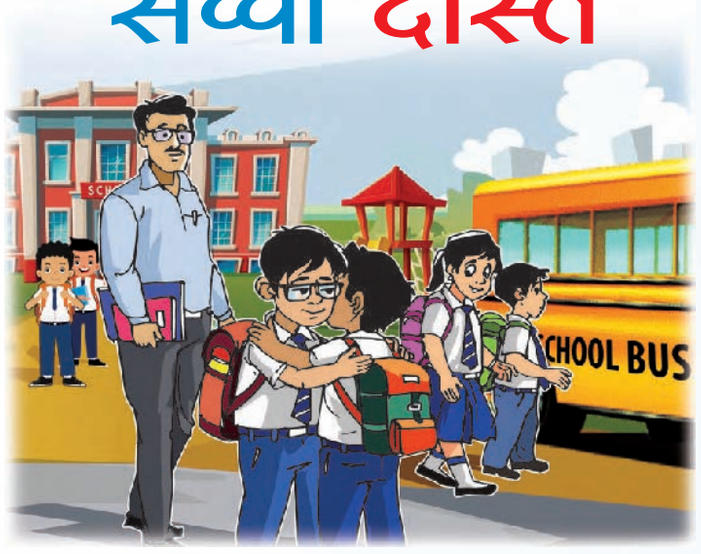

स्कूल बस स्कूल की तरफ भागी चली जा रही थी। खिड़की के पास वाली सीट पर बैठा गौरव कभी अपना चश्मा उतारकर खिड़की से बाहर देख रहा था, तो कभी चश्मा पहनकर। कभी वह उतारे हुए चश्मे के दाएं शीशे को बाईं आंख के आगे करके खिड़की से बाहर के दृश्य देखता, तो कभी बाएं शीशे को दाईं आंख के आगे रखकर। फिर वह चश्मे के शीशों को आड़ा-तिरछा करके अलग-अलग कोण बनाकर इधर-उधर देखता। इस तरह की हरकतों में उसे बड़ा मजा आ रहा था।

तभी बस के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाया तो झटके से गौरव के हाथ से छूटकर चश्मा खिड़की से बाहर सड़क पर जा गिरा। गौरव के पीछे वाली सीट पर बैठे अंशुल ने भी चश्मे को गिरते हुए देखा।

गौरव और अंशुल कभी बहुत गहरे दोस्त हुआ करते थे, लेकिन दो महीने पहले उन दोनों में किसी बात पर मनमुटाव हो गया था। अब गौरव और अंशुल आपस में बात भी नहीं करते थे।

चश्मा खिड़की से बाहर गिर जाने पर गौरव रोने लगा। आज उसकी स्कूल परीक्षा थी। चश्मे के बिना परीक्षा दे पाना उसके लिए संभव ही नहीं था। चश्मे के बगैर वह न तो ठीक तरह से पढ़ सकता था और न ही लिख सकता था।

गौरव के रोने की आवाज सुनकर बच्चे गर्दन घुमाकर उसकी ओर देखने लगे। बस में गौरव के क्लास टीचर सुरेंद्र सर भी बैठे थे। वह भी इसी बस से स्कूल और अपने घर आया-जाया करते थे। सुरेंद्र सर उठकर गौरव के पास आए। अंशुल ने गौरव की रोने की वजह उन्हें बताई तो उन्होंने तुरंत बस रुकवा दी। फिर बस कंडक्टर के साथ बस से नीचे उतर गए। सड़क पर गिरा गौरव का चश्मा किसी वाहन के पहियों के नीचे आ जाने से चकनाचूर हो चुका था।

चश्मे के टूट जाने की बात जानकर गौरव और जोर से रोने लगा। रोते-रोते वह कहने लगा, 'अब मैं एग्जाम कैसे दूंगा?' सुरेंद्र सर ने जब उससे पूछा कि क्या उसके घर में कोई दूसरा चश्मा है तो उसने 'नहीं' में सिर हिलाया। सर ने नया चश्मा बनवाने की बात कही, लेकिन गौरव को अपने चश्मे का नंबर मालूम नहीं था। गौरव ने यह भी बताया कि उसके पापा ऑफिस के काम से मुंबई गए हुए हैं, उसकी मम्मी भी अब तक अपने ऑफिस के लिए निकल चुकी होंगी।

बस स्कूल की तरफ बढ़ती चली जा रही थी। गौरव का रोना जारी था। अभी स्कूल पहुंचने में करीब पैंतालिस मिनट का और समय था। स्कूल गौरव के घर से काफी दूर था, करीब एक-डेढ़ घंटा लग जाता था। रास्ते में जगह-जगह सड़क पर जाम लगा मिलता था। तभी अंशुल ने सुरेंद्र सर से कहा, 'मेरे पापा की चश्मों की दुकान है, जहां से वह गौरव के लिए नया चश्मा बनवा सकता है।'

फिर अंशुल ने सर के मोबाइल फोन से अपने पापा का नंबर मिलाया और कुछ देर तक बात की। फोन बंद करके उसे सर को वापस देते हुए कहा, 'एक घंटे में गौरव का नया चश्मा बनकर स्कूल में पहुंच जाएगा।'

चश्मा बन जाने की बात सुनकर गौरव को कुछ तसल्ली हुई और उसने रोना बंद कर दिया।

'लेकिन अंशुल तुम्हें गौरव के चश्मे का नंबर कैसे याद है?' सुरेंद्र सर ने हैरानी से पूछा।

'सर, कुछ महीने पहले जब गौरव को चश्मा लगा था तो इसके पापा चश्मा बनवाने मेरे पापा की दुकान पर आए थे। दुकान बंद होने के बाद मुझे पापा के साथ कहीं जाना था, इसलिए मैं दुकान पर पापा के साथ बैठा हुआ था। जब मेरे पापा ने गौरव के चश्मे का नंबर बोलकर पढ़ा तो मैं पास खड़ा सुन रहा था। गौरव के चश्मे का नंबर मेरे बर्थ-डे से मिलता-जुलता था। मेरी जन्मतिथि 2 मई, 2015 है। गौरव के चश्मे का नंबर भी 2.5 और 1.5 था। यह बात मैंने अपने पापा से भी कही थी।' अंशुल का जवाब सुनकर सुरेंद्र सर बहुत प्रभावित हुए।

स्कूल में प्रार्थना सभा समाप्त होने के बाद गौरव अपनी कक्षा में पहुंचा ही था कि अंशुल के पापा की दुकान का एक कर्मचारी गौरव का नया चश्मा लेकर आ गया। फिर नया चश्मा लगाकर गौरव ने परीक्षा दी।

परीक्षा के बाद सब बच्चे जब स्कूल बस की ओर जा रहे थे तो आगे-आगे चल रहे अंशुल की बांह गौरव ने थाम ली। अंशुल ने पीछे मुड़कर देखा। वे दोनों कुछ देर तक एक-दूसरे को देखते रहे और फिर दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिला लिया।

'तुम मेरे सच्चे दोस्त हो! तुम चाहते तो चुप रहते और मेरा चश्मा बनवाने के लिए कुछ न करते, लेकिन तुमने...' गौरव अभी यह कह ही रहा था कि अंशुल ने बड़े अपनेपन से उसे गले लगा लिया। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

वही मित्र है..

वही मित्र है, जो कक्षा में,
साथ निभाए, हाथ बंटाए।
वही दोस्त है, जो संकट में,
सबसे पहले दौड़ा आए।
वही मित्र, जो नहीं हमारी-
चुगली औरों से बतियाए।
वही फ्रेंड, जो बुरी लतों से-
बचे, साथ ही हमें बचाए।
वही मित्र है, जो मौके पर,
जब बोलो, तब झट आ जाए।
वही यार, करके सहायता,
कभी नहीं अहसान जताए।
ऐसा सच्चा मित्र मिले तो,
सिर माथे पर उसे बिठाना।
और अगर मुमकिन हो, उससे-
मेरी भी फ्रेंडशिप कराना।

रंग भरो-130

रंग भरो-130 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रेयांश, बिलासपुर

हितेन, रेवाड़ी

कनिष्का, बलौदाबाजार

आयुष, बिलासपुर

पाखी, राजनांदगांव

सार्थक, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, पिंकी-भिवानी, अमित-दिल्ली, प्रियंका-विराट, अथर्व-बिलासपुर, गरिमा-विदिशा, विराट-धमतरी, पूजा-दिल्ली, दिनेश-जबलपुर, उमेश-रोहतक, शिवांश-बिलासपुर, केश-गुना, तनुजा-रायगढ़, नीरज-कांकेर, कैलाश-बिलासपुर, पलक-कटनी

रंग भरो 131

बच्चों, यहां पर फ्रेंडशिप-डे से जुड़ा एक चित्र दिया गया है, जिसमें दो दोस्त दिख रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे प्यारे रंगों से रंगकर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

रास्ता खोजो

बच्चों, गोलू और गप्पा पार्क में अपने दोस्तों के साथ खेलना चाहते हैं। लेकिन दोनों दोस्त जब पार्क के लिए निकले तो बीच में रास्ता भटक गए। तुम गोलू और गप्पा की अपने दोस्तों के पास पार्क में पहुंचने में मदद तो करो।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

ग्रुप चरण से ही वर्ल्ड नंबर-2 जर्मनी, ओलंपिक चैंपियन कनाडा जैसी दिग्गज टीमें बाहर

एजेंसी ▶▶ सिडनी

महिला फुटबॉल का महासमर इस बार कई मायने में अनूठा है और इसने खेल के वैश्विक मानचित्र में बदलाव का सूत्रपात कर दिया जब जर्मनी, ब्राजील और कनाडा जैसे दिग्गज विश्व कप से बाहर हो गए। आश्चर्यों से भरे विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर तब देखा गया जब दुनिया की दूसरे नंबर की टीम और दो बार की विश्व कप विजेता टीम जर्मनी अपने इतिहास में पहली बार ग्रुप चरण में बाहर हो गई।

इसके अलावा कोपा अमेरिका चैंपियन ब्राजील और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कनाडा ने टूर्नामेंट के पहले चरण में बाहर होकर फुटबॉल के प्रशंसकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। टूर्नामेंट में मोरक्को, दक्षिण अफ्रीका और जमैका ने अलग इतिहास रचते हुए नॉकआउट चरण में जगह बनाई है।

महिला विश्व कप : मोरक्को, द.अफ्रीका और जमैका ने इतिहास रच नॉकआउट में पहुंचे

कमजोर टीमें बढ़ीं आगे

एजेंसी ने कुछ कारकों पर नजर डाली जिससे सामने आया कि कैसे पारंपरिक दिग्गज टीमों और तेजी से खत्म हो रही कमजोर टीमों के बीच अंतर कम हो रहा है। जमैका ने उद्घाटन मुकाबले में फ्रांस को एक भी गोल नहीं करने दिया और मैच 0-0 पर ड्रा हो गया। यही तरकीब उसने जर्मनी के खिलाफ भी लगाई। जमैका के कोच लॉर्न डोनाल्डसन ने कहा, 'मुझे लगता है कि छोटे देश भी आगे बढ़ रहे हैं और कह रहे हैं कि हम भी यह कर सकते हैं।'

एलिस आश्चर्यचकित

अमेरिका को वर्ष 2015 और 2019 में विश्व कप विजेता बनने के दौरान कोचिंग देने वाली जिल एलिस ने कहा, 'अगर मैं साफ तौर पर कहूं तो मैं सच में आश्चर्यचकित हूं। मुझे लगता है कि जब आप अचानक जर्मनी और ब्राजील जैसी टीमों को विश्व कप से ग्रुप चरण के दौरान बाहर होते हुए देखते हो, तो मुझे नहीं लगता हम में से किसी ने ऐसा अनुमान लगाया होगा।'

अमेरिका, फ्रांस का बुरा हाल

दुनिया की नंबर एक टीम अमेरिका कभी भी तीसरे स्थान से नीचे नहीं रही। पूर्व चैंपियन रही अमेरिकी टीम नॉकआउट चरण में तो पहुंच गई है लेकिन बहुत कमजोर दिख रही है। पांचवें स्थान पर काबिज फ्रांस का भी यही हाल है।

ग्रुप चरण रहा रोमांचक

महिला फुटबॉल में बढ़ती समानता ने विश्व कप के ग्रुप चरण को रोमांचक बना दिया है, जिसमें गुरुवार का दिन उलटफेर से भरा रहा। मोरक्को ने कोलंबिया को 1-0 से हराया जबकि दक्षिण कोरिया ने जर्मनी के साथ मुकाबले को 1-1 पर ड्रा कर दिया। जर्मनी का इस मुकाबले के साथ विश्व कप का सफर समाप्त हो गया।

महिला फुटबॉल में हुआ विकास

फिटनेस की भूमिका को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। मैदान पर छोटी टीमें अलग ही ऊर्जा के साथ प्रदर्शन कर रही हैं। महिला फुटबॉल में लगातार विकास भी देखा जा रहा है। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा है कि उसने महिलाओं के खेल में एक अरब डॉलर का निवेश किया है और 211 सदस्य संघों में लगभग 168 विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

नए प्रारूप से बढ़े रोमांच

महिला विश्व कप के नए प्रारूप को भी कुछ हद तक खेल में समानता का कारण माना जा सकता है। वर्ष 2019 में टूर्नामेंट को 24 टीमों से बढ़ाकर 32 करने के फैसले पर संदेह था कि इससे अधिक एकतरफा खेल होंगे और मैचों के रोमांच में कमी आएगी। इस बार महिला विश्व कप ने इस संदेह को भी दूर कर दिया।

खबर संक्षेप

हमारी ताकत है पेनल्टी कॉर्नर : हार्दिक

चेन्नई। भारत के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा है कि पेनल्टी कॉर्नर मेजबान टीम की ताकत है और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में वे इसका पूरा इस्तेमाल करेंगे। भारत ने पहले मैच में चीन को 7-2 से हराया और छह गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए हुए। हार्दिक ने मैच के बाद कहा, 'पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं। हम उसका पूरा इस्तेमाल करेंगे। हमें खुशी है कि पेनल्टी पर गोल हो रहे हैं। हमारा लक्ष्य पेनल्टी कॉर्नर की दर बेहतर रखना और कम से कम दो या तीन गोल उसके जरिए करना है। इसके अलावा हर क्वार्टर में मौके बनाने हैं।'

भारत, वेस्टइंडीज पर लगा जुर्माना

दुबई। भारत और वेस्टइंडीज की टीमों पर त्रिनिदाद के तारोबा में पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले के दौरान भारत पर न्यूनतम ओवर गति से एक ओवर कम होने के कारण मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, वहीं वेस्टइंडीज पर न्यूनतम ओवर गति से दो ओवर कम रहने के कारण मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

भारत की मार्टिना देवी ने रजत पदक जीता

ग्रेटर नोएडा। भारत की मार्टिना देवी ने एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में शुक्रवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन से पहले महिलाओं की 81 किग्रा से अधिक युवा वर्ग में रजत पदक जीता। मार्टिना ने कुल 218 किग्रा (95+123) वजन उठाकर युवा वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। वियतनाम की थी हिएन ट्रान ने कुल 224 किग्रा (100+124) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि उज्बेकिस्तान की लोलाखोना अब्दुरशीदोवा ने 193 किग्रा (83+110) के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

याराजी ने 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य जीता

चेंगदू। स्टार एथलीट ज्योति याराजी ने शुक्रवार को यहां विश्व विश्वविद्यालय खेलों के 100 मीटर बाधा दौड़ में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर कांस्य पदक हासिल किया। यह इस स्पर्धा में भारत का पहला पदक है।
तेईस साल की याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में 12.78 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन से उन्होंने अक्टूबर 2022 में दर्ज किए गए 12.82 सेकंड के अपने पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर किया। स्लोवाकिया की विक्टोरिया फोर्स्टर ने 12.72 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन की यान्नी वू ने 12.76 सेकंड के साथ रजत पदक जीता।

आस्ट्रेलिया ओपन : फाइनल में पहुंचेगा कोई एक भारतीय

सिंधू, श्रीकांत बाहर, प्रणय के सामने सेमीफाइनल में राजावत की चुनौती

एजेंसी ▶▶ सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू आस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन महिला एकल क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की बेवेन झांग से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई। एच एस प्रणय और युवा प्रियांशु राजावत ने जीत के साथ अंतिम चार में जगह पक्की की। पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रणय और राजावत एक दूसरे के आमने सामने होंगे, जिससे टूर्नामेंट के फाइनल में किसी भारतीय की उपस्थिति सुनिश्चित हो गई।

ऑरलियन्स मास्टर्स चैंपियन राजावत ने हमवतन किदांबी श्रीकांत को एकतरफा क्वार्टर फाइनल में 21-13, 21-8 से हराकर पहली बार सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल जगह बनाई। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय दुनिया को हालांकि दूसरे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका जिंटिंग के खिलाफ एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा। उन्होंने 73 मिनट तक चले मुकाबले के शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 16-21, 21-17, 21-14 से कड़ी जीत हासिल की।

राजावत उभरते स्टार खिलाड़ी

प्रणय दुनिया के 31वें नंबर के राजावत के खिलाफ 1-0 की बढ़त के साथ सेमीफाइनल में उतरेंगे, जिन्होंने उन्हें 2022 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में हराया था। मध्य प्रदेश के 21 वर्षीय राजावत आठ साल की उम्र में पुलेला गोपीचंद की ग्वालियर अकादमी में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले एक साल में अपने खेल में काफी सुधार किया है। राजावत ने इस सत्र में जिंटिंग, जापान के कोडाई नाराओका और हमवतन लक्ष्य सेन से शीर्ष खिलाड़ियों को तीन गेम तक चले मुकाबले में कड़ी टक्कर दी है।

तीसरे दौर में हारी सिंधू

पिछले कई टूर्नामेंटों से शुरुआती दौर में ही बाहर होने के कारण विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसकी सिंधू को दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी झांग ने 39 मिनट में 21-12, 21-17 से हरा दिया। पिछले दस मुकाबलों में सिंधू ने झांग को छह बार हराया है लेकिन चीनी मूल की

इस अमेरिकी खिलाड़ी से आज पार नहीं पा सकी। सिंधू ने हमवतन अस्मिता चालिहा और आकर्षि कश्यप को पहले दो दौर में हराया था लेकिन झांग से हार निराशाजनक रही। वह इस साल 12 बीडब्लूएफ विश्व टूर टूर्नामेंटों में से सात में जल्दी बाहर हो गई।

भारत ने रचा इतिहास

कंपाउंड टीम बनी आर्चरी वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶ बर्लिन

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में भारत की महिला कंपाउंड टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने शुक्रवार को बर्लिन में स्वर्ण पदक जीता। यह किसी भी वर्ग में तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण है।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप

भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक के लिए फाइनल में मैक्सिकन कंपाउंड टीम डैफने क्विंटेरो, एना सोफा हर्नांडेज जियोन और एंड्रिया बेसेरा को 235-229 से हराया। क्वालिफिकेशन राउंड में दूसरे स्थान पर रहे भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन कोलंबिया को 220-216 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद, भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने क्रमशः क्वार्टर फाइनल और प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे और तुर्की को हराया था। भारत ने इसे पहले विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में 9 रजत और 2 रजत सहित 11 पदक जीते थे।

साई ने दी जीत की बधाई

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने महिला खिलाड़ियों को बधाई देते हुए लिखा, भारत ने बर्लिन में रचा इतिहास, महिला कंपाउंड टीम ने फाइनल में 235-229 से जीतकर विश्व चैंपियंस का ताज पहना। यह विश्व चैंपियनशिप में टीम इंडिया का पहला गोल्ड मेडल है। लड़कियों को बहुत-बहुत बधाई! आप पर बहुत गर्व है।

चोटिल इकबाल ने बांग्लादेश की कप्तानी छोड़ी, एशिया कप से हटे

एजेंसी ▶▶ ढाका

बाएं हाथ के बल्लेबाज तामिम इकबाल ने कमर की चोट के कारण एशिया कप से बाहर होने के बाद बांग्लादेश की वनडे टीम की कप्तानी छोड़ दी। एशिया कप 31 अगस्त से दो सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाएगा। 34 वर्ष के तामिम ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान वनडे क्रिकेट को अलविदा कहा था लेकिन बाद में फैसला बदल दिया।

तामिम ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैं कप्तानी से हट रहा हूं और एक खिलाड़ी के तौर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करूंगा। चोट का मसला

है। मैने बोर्ड को इसके बारे में बता दिया है। मैने हमेशा टीम को सर्वोपरि रखा है। उसे ध्यान में रखकर कप्तानी छोड़ना ही सर्वश्रेष्ठ फैसला है।' पिछली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के दखल देने के बाद तामिम ने अपना फैसला बदला था लेकिन उन्होंने कहा कि इस बार वह प्रधानमंत्री को बता चुके हैं।

तिलक का सपना विश्व कप जीतना

तारोबा। तिलक वर्मा ने सोचा नहीं था कि भारत के लिए पदार्पण का मौका कॅरियर में इतनी जल्दी मिल जायेगा लेकिन अब यह सपना पूरा होने के बाद उनका लक्ष्य विश्व कप जीतना है। 2020 अंडर 19 विश्व कप टीम का हिस्सा रहे 20 वर्ष के वर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में 22 गेंद में 39 रन बनाए। वर्मा ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'हर किसी का सपना देश के लिए खेलने का होता है। मैने कभी सोचा नहीं था कि कॅरियर में इतनी जल्दी भारत के लिए खेलने का मौका मिलेगा।'

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

गत चैंपियन कोरिया ने पाक को 1-1 की बराबरी पर रोका

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

गत चैंपियन दक्षिण कोरिया ने लगभग 35 मिनट तक पिछड़ने के बाद एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शुक्रवार को यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में पाकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोका। पाकिस्तान गुरुवार को अपने शुरुआती मैच में मलेशिया से 1-3 से हार गया था। मैच के 18वें मिनट में अब्दुल शाहिद के गोल से पाकिस्तान ने मैच में बढ़त बना ली। जिहुन यांग ने 53वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर स्कोर 1-1 कर दिया। पाकिस्तान के कप्तान उमर भुट्टा को उनके 200वें अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने के लिए मुकाबले से पहले हॉकी इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया।

वुशू खिलाड़ी सरवर डोप टेस्ट में विफल

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे वुशू खिलाड़ी ओवैस सरवर अहेंगर और एक नाबालिग तैराक को डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी ने अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया है। नाडा के अनुसार 23 वर्ष के सरवर के डोप टेस्ट में 19 नोरांड्रोस्टेरोन समेत कई प्रतिबंधित दवाओं के अंश पाए गए हैं। इनमें मेफेंटेरमाइन और फेंटेरमाइन शामिल है। नाबालिग तैराक को भी 19 नोरांड्रांस्टेरोन के सेवन का दोषी पाया गया।

11 टेस्ट, 70 एकदिवसीय और 75 टी-20 में किया देश का प्रतिनिधित्व

इंग्लैंड के हेल्स ने क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶ लंदन

इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा की। हेल्स ने अगस्त 2011 में मैनचेस्टर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 11 टेस्ट, 70 एक दिवसीय और 75 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया।

हेल्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। तीनों प्रारूपों में 156 मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने जीवन भर के लिए कुछ यादें और कुछ दोस्त बनाए है। मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का सही समय है।'

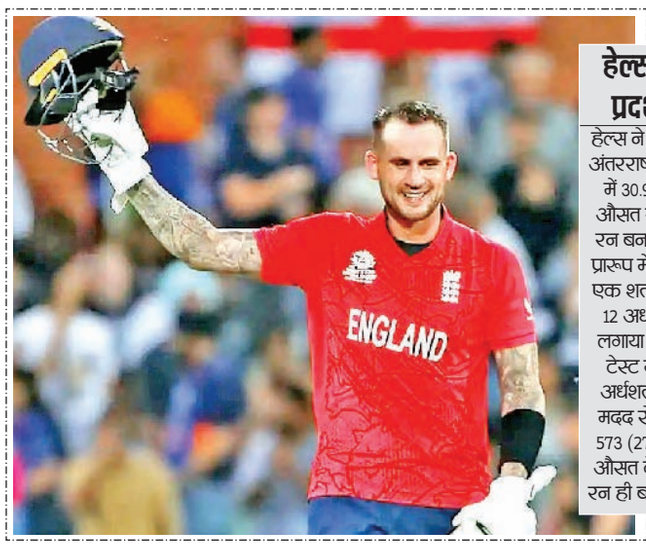

हेल्स का प्रदर्शन

हेल्स ने 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.95 कर औसत से 2074 रन बनाए। इस प्रारूप में उन्होंने एक शतक और 12 अर्धशतक लगाया। वह 11 टेस्ट में पांच अर्धशतक की मदद से महज 573 (27.28 की औसत के साथ) रन ही बना सके।

विश्व कप से मिली संतुष्टि

हेल्स ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच 2022 के टी20 विश्व कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेला था। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड की जर्सी में कुछ ऊंचाइयों के साथ नाकामियों को भी अनुभव किया है। इस एक अविश्वसनीय यात्रा के दौरान मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हो रही है कि इंग्लैंड के लिए मेरा आखिरी मैच विश्व कप फाइनल जीतना था।'

वनडे में खेली दूसरी बड़ी पारी

हेल्स 2019 में विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं थे। ड्रग सेवन से जुड़े मामले में उन्हें 21 दिन के लिए प्रतिबंधित किया गया था और तत्कालीन कप्तान इयोन मोर्गन ने इसे 'पूरी तरह से भरोसा तोड़ने वाला करार दिया था। हेल्स ने हालांकि सफेद गेंद में इंग्लैंड की टीम को फिर से शीर्ष पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी 92 गेंद की 147 रन की पारी के दम टीम ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छह विकेट पर 481 रन बनाए थे। यह एकदिवसीय क्रिकेट का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है।

आरसीबी में फ्लावर बने मुख्य कोच, हेसन-बांगड़ को हटाया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने शुक्रवार को जिम्बाब्वे के पूर्व अनुभवी क्रिकेटर एंडी फ्लावर को मुख्य कोच बनाया जिससे माइक हेसन और संजय बांगड़ के साथ नाता भी टूट गया। आरसीबी के क्रिकेट परिचालन निदेशक हेसन और मुख्य कोच बांगड़ का अनुबंध सितंबर तक था लेकिन फ्रेंचाइजी ने उसका नवीनीकरण नहीं करने का फैसला किया।

आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख राजेश मेनन ने लंदन में फ्लावर से मुलाकात की जिसके बाद उनके नाम का ऐलान किया गया। पिछले दो सत्र में आईपीएल की लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच रहे फ्लावर ने कहा, 'मुझे आरसीबी से जुड़ने का फख्र है। माइक हेसन और संजय बांगड़ ने काफी मेहनत की है और अब मैं आरसीबी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की कोशिश करूंगा।' फ्लावर 12 साल तक इंग्लैंड क्रिकेट टीम के साथ भी रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

लंदन में एक कार्यक्रम में बोले भारतीय उच्चायुक्त

- 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस से पहले लंदन में एक विशेष समारोह में भारतीय उच्चायुक्त ने रखी अपनी बात
- भारत एक सिर्फ एक चुनावी लोकतंत्र नहीं बल्कि ऐसा लोकतंत्र है जिसमें संस्थाएं स्वतंत्र रूप से करती हैं काम

'भारत दुनिया का सबसे तर्कशील लोकतंत्र है'

भारतीय उच्चायुक्त दोराईस्वामी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे सुसंगत और तर्कशील लोकतंत्रों में से एक है, जहां संस्थाएं उत्साहपूर्वक अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करती हैं।

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे सुसंगत और तर्कशील लोकतंत्रों में से एक है, जहां संस्थाएं उत्साहपूर्वक अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करती हैं। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस से पहले लंदन में एक विशेष समारोह में अपनी बात रख रहे थे। विक्रम दोराईस्वामी बुधवार शाम को भारत की आजादी के 76वें वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय विद्या भवन के वार्षिक उत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस दौरान यहां उन्होंने 50 साल से अधिक पुराने सांस्कृतिक संगठन की समावेशी भावना पर विचार किया और कहा कि ऐतिहासिक रूप से भवन में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है और यह एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत की भावना के बहुत अनुरूप है।

खास बातें

- सभी जटिलताओं और चुनौतियों के बावजूद, भारत एक सुसंगत और कार्यशील लोकतंत्र
- भारत दुनिया में सबसे अधिक तर्क-वितर्क करने वाला लोकतंत्र है, जो एक अच्छी बात

भारत एक ऐसा राष्ट्र जहां तर्क-वितर्क को जगह

उन्होंने कहा कि भारत एक सिर्फ एक चुनावी लोकतंत्र नहीं है बल्कि एक ऐसा लोकतंत्र है जिसमें संस्थाएं स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। इतनी ही नहीं उनकी स्वतंत्रता और कार्य करने की उनकी क्षमता की रक्षा की जाती है। आगे बोले कि हमारी सभी जटिलताओं और चुनौतियों के बावजूद, भारत एक सुसंगत और कार्यशील लोकतंत्र है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा राष्ट्र है जो तर्क-वितर्क करता है। भारत दुनिया में सबसे अधिक तर्क-वितर्क करने वाला लोकतंत्र है, जो एक अच्छी बात है क्योंकि उस तर्क के बिना हम एक लोकतंत्र नहीं होंगे।

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी, एंट्री के लिए गिड़गिड़ा रहा पाक

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका में 22 से 24 अगस्त के बीच आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जोहान्सबर्ग का दौरा करेंगे। गुरुवार को साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने पीएम मोदी को फोन करके ब्रिक्स समिट के लिए न्योता दिया। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने भी ब्रिक्स में शामिल होने की अर्जी दी है। लेकिन अभी तक पाक को ब्रिक्स में शामिल होने की हरी झंडी नहीं मिली है।

जयशंकर ने भी साफ किया था भारत का रुख

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम खुले दिमाग से काम कर रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के देश इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि दूसरे देशों के लिए गाइडलाइंस, स्टैंडर्ड पर काम किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

मैक्सिको: बस हादसे में 17 की मौत, 40 थे सवार

मैक्सिको सिटी। पश्चिमी मैक्सिको में गुरुवार तड़के एक यात्री बस के राजमार्ग के पास एक खाई में गिर गई। हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान करीब 22 अन्य लोग घायल हुए हैं। नायरिट राज्य के सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा सचिव जॉर्ज बेनिटो रोड्रिग्ज ने बताया कि बचाव अभियान में काफी दिक्कतें आ रही हैं। खाई करीब लगभग 50 मीटर (164 फीट) गहरी थी। मरने वालों में 14 वयस्क और तीन बच्चे शामिल हैं। बस में 40 यात्री सवार थे। सभी तिजुआना की ओर जा रहे थे।

पाक: 9 को नेशनल असेंबली होगी भंग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नौ अगस्त को नेशनल असेंबली को भंग करने की घोषणा की है। गुरुवार को संसद के सदस्यों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में संसदीय नेताओं से मुलाकात के बाद पीएम शहबाज ने यह निर्णय लिया। इस दौरान देश के राजनीतिक हालात और कार्यवाहक पीएम पर गहन चर्चा की गई। 9 अगस्त को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नेशनल असेंबली को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को औपचारिक सलाह भेजेंगे। राष्ट्रपति 48 घंटों के भीतर हस्ताक्षर करेंगे।

ब्रिटेन में कोविड का नया वैरिएंट मचाएगा तबाही

लंदन। ब्रिटेन में कोविड का नया वेरिएंट मिला है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। वहीं, ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि मई के बाद से नए वेरिएंट के सात मामले देखे गए हैं। वहीं, इससे संक्रमित होने वाले लोगों के केस बढ़ने लगे हैं। चिंता ये है कि देश नई लहर के चपेट में आने वाला है। इस नए वेरिएंट का नाम ईजी 5.1 है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि ये ब्रिटेन में तबाही मचाने वाला है। नया कोविड वेरिएंट पुराने से ज्यादा खतरनाक होने के लक्षण नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर गरजा भारत

कहा- मानवीय मदद पहुंचाने के लिए वैश्विक आपूर्ति को राजनीति से करना होगा मुक्त

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा किए गए प्रयासों का समर्थन करता है।

- भारत को उम्मीद है कि वर्तमान गतिरोध का जल्द से जल्द समाधान होगा
- कंबोज ने खाद्य असुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने अमेरिका की सराहना की
- कूटनीति के माध्यम से हल खोजने के लिए मिलकर काम करना चाहिए

भविष्य निर्माण के लिए शांति, सहयोग बहुपक्षवाद आवश्यक

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

रूस-यूक्रेन युद्ध, कोरोना महामारी, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के हालात के अलावा दुनिया के अन्य देशों के बीच तनाव, ईरान-इराक तनाव, चीन-ताईवान तनाव व इजरायल-फिलीपींस तनाव, आर्मीनिया-अजरबैजान युद्ध इत्यादि के चलते वैश्विक खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला टूट चुकी है। इससे दुनिया भर में बड़ा मानवीय संकट पैदा हो गया है। ग्लोबल साउथ इस वक्त आपूर्ति श्रृंखला टूटने की वजह से खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक का भारी संकट झेल रहा है। ऐसे में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की आवाज बनते हुए वैश्विक आपूर्ति को राजनीति से मुक्त करने का आह्वान किया। ताकि लोगों को मानवीय मदद पहुंचाने में देरी न हो। भारत की इस गर्जना से ग्लोबल साउथ के सभी देश भी खुश हैं। संयुक्त राष्ट्र में खाद्यान्न वितरण में समानता, सामर्थ्य और पहुंच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारत ने कहा कि खुले बाजारों को असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देने का आधार नहीं बनना चाहिए। विश्व निकाय में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'अकाल और संघर्ष से उत्पन्न वैश्विक खाद्य असुरक्षा' पर खुली बहस के दौरान यह टिप्पणी की। कंबोज ने अपने संबोधन में काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों में भारत के सहयोग की फिर से पुष्टि की है।

भारत ने वैश्विक समस्याओं का समाधान किया

कंबोज ने कोविड 19 महामारी का जिक्र करते हुए भारत की सहायता को याद दिलवाया। उन्होंने कहा कि भारत ने खाद्य सुरक्षा मजबूत करने के लिए भारत ने अफ्रीका सहित कई देशों हजारों मीट्रिक टन गेहूं, चावल, दालें और मसूर खाद्य सहायता के रूप में प्रदान की। यहां तक की भारत ने अफगानिस्तान में भी वहां की जनता के लिए उत्पन्न हुए खाद्य संकट को देखते हुए 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं का दान किया। भारत ने म्यांमार संकट को देखते हुए उन्हें 10,000 टन चावल और गेहूं दिया। भारत ने श्रीलंका की भी पूरी मदद की। भारत ने अपनी विदेश नीति पड़ोसी पहले और वसुधैव कुटुंबकम की प्रेरणा से दूसरे देशों की मदद की।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा की स्थिति भयावह

कंबोज ने कहा, "वैश्विक खाद्य असुरक्षा की स्थिति भयावह है और पिछले चार वर्षों में भोजन की भारी कमी का सामना करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है। दुनिया में जारी सशस्त्र संघर्ष, भोजन, उर्वरक और ऊर्जा संकट ने महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा की हैं-खासकर 'ग्लोबल साउथ' के लिए।" संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, 62 देशों में 36.2 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत है, जो एक रिकॉर्ड संख्या है। कंबोज ने कहा, "जब खाद्यान्न की बात आती है तो समानता, किफायती कीमत और पहुंच के महत्व को पर्याप्त रूप से समझना हम सभी के लिए आवश्यक है। हमने पहले ही देखा है कि कैसे कोविड-19 रोधी टीकों के मामले में इन सिद्धांतों की अवहेलना की गई थी। खुले बाजारों को असमानता को कायम रखने और भेदभाव को बढ़ावा देने का आधार नहीं बनना चाहिए।

2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए जुटेंगे प्रवासी

वॉशिंगटन। दुनियाभर के प्रवासी भारतीय समुदाय को एकजुट करने और आपसी संवाद व सहयोग बढ़ाने के लिए काम करने वाले गैर-लाभकारी संगठन इंडियास्पोरा ने बताया कि 2047 तक भारत के विकसित देश बनने की यात्रा में भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका पर विचार-मंथन करने के लिए इस महीने के अंत में दिल्ली में जी-20 फोरम का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिन के इस आयोजन में भारत की विदेश नीति, वित्तीय समावेशन, जलवायु परिवर्तन,खेल, व्यापार और निवेश से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए दुनियाभर के प्रभावशाली लोगों को बुलाया जाएगा। इसके अलावा 25 देशों के 200 प्रभावशाली प्रवासियों को आमंत्रित किया गया है। इंडियास्पोरा-इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीकुमार नायर ने कहा, जी20 फोरम वैश्विक स्तर पर एक स्थायी प्रभाव पैदा करने का अनूठा अवसर देगा।

'जन भावनाओं का सम्मान' अब 50 जिलों 10 संभागों का राजस्थान

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। देखा जाए तो ब्यावर के इतिहास में आज 4 अगस्त का एक ऐतिहासिक दिन बन गया जब प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा में 19 जिलों की जो घोषणाएं की थी उसका सीमाकंन कर आज के दिन कैबिनेट बैठक में सीमाकंन का निर्णय लेकर नोटिफिकेशन स्वंय मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव ऊषा शर्मा, राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने नोटिफिकेशन के आदेश पारित करने की प्रेस कांफ्रेन्स कर जानकारी दी। कांग्रेस नेता व इंटक अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा की मुख्यमंत्री द्वारा ब्यावर को एक ही जो तोहफा दिया और क्षेत्र की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए जो राहत प्रदान की है उससे निश्चित ही क्षेत्र व क्षेत्र की जनता को हर क्षेत्र में सुविधा व राहत मिलेगी। जिला स्तर के विभाग व जिला स्तरीय अधिकारी जब यहाँ बैठेगें तो विकास सुनिश्चित है तथा प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण भी होगा और जनता को सुविधाऐं भी मिलेगी।

मोदी सरनेम मान हानि केस में सर्वोच्च न्यायालय ने जो कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता राहुल गांधी को सेशन कोर्ट व हाई कोर्ट के निर्णयों पर रोक लगाते हुए जो राहत प्रदान की है इस पर दिनेश शर्मा ने अत्याचार व अन्याय पर न्याय की जीत बताया। शर्मा ने कहा की देश में आज भी आमजन के लिए देश का संविधान है जो न्याय उपलब्ध करा सकता है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। जिस प्रकार मात्र सेंशन कोर्ट के आदेश के आधार पर ही राहुल गांधी की संसद सदस्यता असंवैधानिक तरीके से समाप्त कर दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय के रोक के पश्चात तुरन्त प्रभाव से उनकी संसद सदस्यता बहाल की जाये, सारे अधिकार प्रदत्त किये जाये व निम्न स्तर की हरकत कर जो उनका आवास खाली करवा लिया गया था पुनः आवंटित किया जाये। दिनेश शर्मा, हरनारायण हेडा, श्याम हेडा, प्रवीण जैन, आशीषपाल पदावत, विपिन अग्रवाल, अनिल झामठ, रोहित गोयल, देवकरण शर्मा, मोहन खत्री, सोहन मेवाड़ा, विक्रम सोनी, रामस्वरूप सेवलिया, पार्षद राजेश शर्मा, भुवनेश शर्मा, राजेन्द्र तुनगारिया, भरत बाघमार, अजय स्वामी, घनश्याम फुलवारी, भरत बन्दीवाल, विकास दगदी, सन्तोष शर्मा, नूतन गहलोत, राजकुमारी तंवर, विपिन अग्रवाल, अनिल प्रजापति, रामकिशोर कच्छावा आदि ने अशोक गहलोत का आभार व्यक्त कर खुशी जाहिर की।

भारत में विदेशी छात्रों की शिक्षा, वीजा प्रक्रिया आसान

छात्रों को परेशानी से मुक्ति के लिए स्टडी इन इंडिया पोर्टल लांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी अकादमिक रूप से भारत की वैश्विक पहचान को पुनः जीवंत करने पर जोर देते आए हैं। उनके 15 अगस्त को दिए जाने वाले लाल किले की प्राचीर से हर वर्ष के संबोधन को देखें तो उनका हमेशा से यही मानना है कि शिक्षण पद्धति में भारत नित नए कीर्तिमान हासिल कर सकता है, बशर्ते प्रतिभा का सदुपयोग भारत में हो पाए। इसी उद्देश्य के साथ जिससे विदेश से छात्र पढ़ाई के लिए भारत का रुख करें और जो छात्र यहां हैं उन्हें कोई परेशानी न हो उनके लिए ही स्टडी इन इंडिया पोर्टल लॉन्च किया गया है।

वैश्विक पहचान को पुनः जीवंत करने पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकादमिक रूप से भारत की वैश्विक पहचान को पुनः जीवंत करने पर जोर देते आए हैं। उनके 15 अगस्त को दिए जाने वाले लाल किले की प्राचीर से हर वर्ष के संबोधन को देखें या परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रम में उनकी चर्चा को सुनें, उनका हमेशा से यही मानना है कि शिक्षण पद्धति में भारत नित नए कीर्तिमान हासिल कर सकता है, बशर्ते प्रतिभा का सदुपयोग भारत में हो पाए।

बताया केंद्र का विजन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि एसआईआई पोर्टल एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म है जो भारत में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को सरल बनाएगा। डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि यह पोर्टल विविध पृष्ठभूमि के छात्रों का स्वागत करके भारत को शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह शिक्षा क्षेत्र में ब्रांड 'इंडिया' की एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करेगा।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया चार सूत्रीय एजेंडा

भारत, लातीनी अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में भरोसा बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत तथा लातीनी अमेरिकी और कैरेबियाई (एलएसी) क्षेत्र के बीच सहयोग व भरोसा बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। 'नौवें सीआईआई इंडिया-एलएसी कॉन्क्लेव' में उन्होंने कहा कि भारत और एलएसी क्षेत्र के साझा सांस्कृतिक संबंध हैं। उन्होंने चार सूत्री एजेंडा (1) व्यापार को बढ़ावा देना, (2) द्विपक्षीय साझेदारी का लाभ उठाना, (3) स्वास्थ्य सुविधा व औषधि विज्ञान सहयोग तथा (4) वैश्विक मुद्दों का समाधान करना आदि शामिल है। जिस पर सभी का सहयोग अपेक्षित है।

व्यापार को बढ़ावा देने बेहतर रोडमैप तैयार हो

व्यापार को बढ़ावा देने के लिए श्री गोयल ने एक बेहतर रोडमैप तैयार करने की पैरवी की ताकि प्रत्येक देश की तुलनात्मक और प्रतिस्पर्धी शक्तियों का लाभ उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक दृष्टिकोण भारत और एलएसी देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि भारत और एलएसी क्षेत्र को विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर बड़े ग्लोबल साउथ सहयोग की दिशा में काम करना चाहिए।

सेना में शामिल होंगे इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली। भारतीय सेना देश भर के 'शांति केंद्रों' में सीमित संख्या में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को चरणबद्ध तरीके से शामिल करने की योजना बना रही है। इसका लक्ष्य नवीनतम तकनीकी प्रगति को अपनाना, हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है। भारतीय सेना देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों को शमिल कर रही है। इसमें हल्के वाहन, बसें, मोटर साइकिल आदि। यह जानकारी रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में अदाला प्रभाकर रेड्डी और मार्गनी भरत को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

आतंकया आर सुरक्षाबला क बाच मुठभड़

हल्लन मंजगाम में तीन जवान घायल, कुछ आतंकी फंसे

एजेंसी ▶▶ कुलगाम

दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ खबर है। जानकारी के मुताबिक यह मुठभेड़ हल्लन मंजगाम इलाके में हुई। इसमें तीन जवान घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों को यहां कुछ आतंकियों की मौजूद की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस, सीआरपीएफ और आर्मी तीनों ने मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया। एक अधिकारी ने बताया कि जैसे ही बलों की संयुक्त टीम ने संदिग्ध स्थान की ओर तलाशी तेज की, खुद को घिरता देख छिपे आतंकवादियों ने पार्टी पर गोलीबारी कर दी। इस पर सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि इलाके में गोलीबारी जारी है और माना जा रहा है कि दो से तीन आतंकवादी फंसे हुए हैं।

जमीनी, विमानन, समुद्री प्लेटफॉर्मों को एकीकरण करने में सक्षम

वायु सेना में शामिल होगी इजराइली स्पाइक मिसाइल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना की ताकत में और अधिक इजाफा होने जा रहा है। दरअसल, भारतीय वायुसेना अब इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के परीक्षण की तैयारी कर चुकी है। इसी संबंध में भारतीय वायु सेना ने परीक्षण के लिए कुछ मात्रा में इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) की डिलीवरी ली है। फायरिंग परीक्षणों के लिए इसे एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर के साथ एकीकृत किया जाएगा। बाद में इसे अन्य भारतीय अटैक हेलीकॉप्टरों पर भी लैस किए जाने की योजना है। स्पाइक एनएलओएस जमीनी, विमानन और समुद्री प्लेटफॉर्मों के साथ एकीकरण करने में सक्षम है।

फायरिंग परीक्षणों के लिए इसे एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर के साथ एकीकृत किया जाएगा। अटैक हेलीकॉप्टरों पर भी लैस किए जाने की योजना है।

इसे 'मेक इन इंडिया' के जरिए बड़ी मात्रा में चाहती हैं भारतीय सेनाएं

- इजरायल के अलावा अन्य 38 देश कर रहे हैं स्पाइक मिसाइलों का उपयोग
- इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के परीक्षण की तैयारी
- इजरायली स्पाइक एनएलओएस एक बहुउद्देशीय, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड मिसाइल प्रणाली

इजरायली स्पाइक एनएलओएस एक बहुउद्देशीय, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड मिसाइल प्रणाली है। इसकी रेंज 32 किलोमीटर है, इसलिए भारतीय सेनाएं इसे 'मेक इन इंडिया' के जरिए बड़ी मात्रा में चाहती हैं। स्पाइक एनएलओएस को जमीन, विमानन या समुद्री प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत किया जा सकता है।

ये 'दागो और भूल जाओ' सामरिक निर्देशित मिसाइलें

ये इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (ईओ) और फाइबर-ऑप्टिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाली हल्की 'दागो और भूल जाओ' सामरिक निर्देशित मिसाइलें हैं। सिस्टम का उपयोग पैदल सैनिकों, विशेष तीव्र प्रतिक्रिया बलों, जमीनी बलों और हेलीकॉप्टर से किया जाता है। स्पाइक मिसाइलों का उपयोग इजरायल के अलावा अन्य 38 देशों के रक्षा बल कर रहे हैं, जिनमें लातविया, स्लोवेनिया, स्लोवाकिया, यूके, फिलीपींस, सिंगापुर, नीदरलैंड, रोमानिया, चिली, कोलंबिया, फिनलैंड, जर्मनी, पोलैंड, इटली, पेरू, स्पेन, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, एस्टोनिया और लिथुआनिया शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com